■ भाद्रपद शुक्ल - 9 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 39 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » सोमवार » 01-09-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 संभल में हिंदू डरे हुए हैं : आचार्य प्रमोद कृष्णम

6 महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए भगीरथ प्रयास क्यों नहीं ?

7 सव्यसाची मुखर्जी को एकबारगी पहचान नहीं पायी थी : जीनत अमान

आपसी विश्वास, सम्मान और संवेदनशीलता के आधार पर

संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए चीन और भारत प्रतिबद्ध

■ प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति शी ने सीमा मुद्दे के उचित, पारस्परिक स्वीकार्य समाधान के प्रति प्रतिबद्धता जताई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तियानजिन/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने भारत-चीन सीमा मुद्दे के निष्पक्ष, उचित और पारस्परिक रूप से स्वीकार्य समाधान की दिशा में काम करने पर रविवार को सहमति जताई। उन्होंने वैश्विक व्यापार को स्थिर करने में दोनों अर्थव्यवस्थाओं की भूमिका को स्वीकार करते हुए व्यापार एवं निवेश संबंधों को विस्तार देने का संकल्प भी लिया।

उत्तरी चीन के तियानजिन शहर में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के वार्षिक शिखर सम्मेलन से इतर मोदी और शी के बीच यह बातचीत अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाले प्रशासन की टैरिफ संबंधी नीति से वैश्विक अर्थव्यवस्था में पैदा हुई उथल-पुथल की पृष्ठभूमि में हुई। दोनों नेताओं ने अपनी व्यापक बातचीत में मुख्य रूप से व्यापार और निवेश संबंधों को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया।

बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने भारत-चीन संबंधों के लगातार विकास के लिए सीमावर्ती इलाकों में शांति और सौहार्द के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि नई दिल्ली आपसी विश्वास, सम्मान और संवेदनशीलता के आधार पर बीजिंग के साथ अपने संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

भारत की ओर से जारी एक बयान के मुताबिक, दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय व्यापार और निवेश संबंधों को बढ़ावा देने तथा व्यापार घाटे में कमी लाने की प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने आतंकवाद और बहुपक्षीय मंचों पर निष्पक्ष व्यापार जैसे द्विपक्षीय, क्षेत्रीय एवं वैश्विक मुद्दों तथा चुनौतियों पर साझा आधार का विस्तार करने की सहमति व्यक्त की।

'दोस्ती' सही विकल्प है : शी चिनफिंग

तियानजिन/भाषा। चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से रविवार को कहा कि दोनों देशों का ''मित्र'' बनना ''सही विकल्प'' है और उन्हें सीमा विवाद को अपने संबंधों को परिभाषित नहीं करने देना चाहिए। दोनों नेताओं के बीच यह वार्ता शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के वार्षिक शिखर सम्मेलन से इतर हुई। शी ने मोदी से कहा कि दोनों एशियाई पड़ोसियों को अपने सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति एवं सौहार्द सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम करना चाहिए और सीमा मुद्दे को समग्र चीन-भारत संबंधों को परिभाषित नहीं करने देना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत और चीन प्रतिद्वंद्वी नहीं बल्कि सहयोगी हैं और दोनों देश एक-दूसरे के लिए खतरा नहीं बल्कि विकास के अवसर हैं।

ब्रिक्स देशों के खिलाफ 'भेदभावपूर्ण प्रतिबंधों' का विरोध करते हैं : पुतिन

तियानजिन/भाषा। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा है कि रूस एवं चीन ने ब्रिक्स सदस्य देशों के सामाजिक-आर्थिक विकास में बाधा डालने वाले ''भेदभावपूर्ण प्रतिबंधों'' के खिलाफ एक साझा रुख अपनाया है। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में भाग लेने यहां पहुंचे पुतिन ने चीन की सरकारी समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' से एक साक्षात्कार के दौरान यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि रूस और चीन महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए अतिरिक्त संसाधन जुटाने पर विशेष ध्यान दे रहे हैं और वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए ब्रिक्स की क्षमता को मजबूत करने के लिए एकजुट हैं।

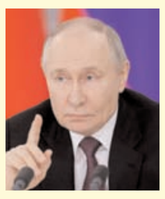

रूस के राष्ट्रपति ने कहा कि मॉस्को और बीजिंग ब्रिक्स सदस्यों और समग्र विश्व के ''सामाजिक-आर्थिक विकास में बाधा डालने वाले भेदभावपूर्ण प्रतिबंधों के विरुद्ध एक साझा रुख'' अपनाते हैं।

पुतिन ने यह टिप्पणी ऐसे समय में की है जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ब्रिक्स के सदस्य देशों पर 10 प्रतिशत शुल्क लगाने की धमकी दे रहे हैं।

ब्रिक्स एक अंतर-सरकारी संगठन है जिसमें ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका शामिल हैं। सऊदी अरब, ईरान, इथियोपिया, मिस्र, अर्जेंटीना और संयुक्त अरब अमीरात इसके नए सदस्य हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी यहां आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन से इतर पुतिन से मुलाकात करेंगे।

20 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल मामले पर

उच्चतम न्यायालय आज करेगा सुनवाई

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय सोमवार को उस याचिका पर सुनवाई करेगा जिसमें 20 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल (ईबीपी-20) को देश भर में लागू करने को चुनौती दी गई है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि लाखों वाहन मालिकों को ऐसा ईंधन इस्तेमाल करने के लिए मजबूर किया जा रहा है जो उनके वाहनों के अनुरूप नहीं है। यह जनहित याचिका प्रधान न्यायाधीश बी.आर. गवई की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष एक सितंबर को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध है। अधिवक्ता अक्षय मल्होत्रा द्वारा दायर याचिका में पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय को निर्देश देने का अनुरोध किया गया है कि सभी पेट्रोल पंपों पर इथेनॉल मुक्त पेट्रोल उपलब्ध कराया जाए। इसमें यह भी अनुरोध किया गया है कि सभी पेट्रोल पंपों और वितरण इकाइयों पर अनिवार्य रूप से इथेनॉल की मात्रा को दिखाने वाला लेबल लगाया जाए ताकि उपभोक्ताओं को साफ-साफ पता चले। साथ ही, यह सुनिश्चित किया जाए कि ईंधन भरते समय उपभोक्ताओं को उनके वाहनों की इथेनॉल अनुकूलता के बारे में सूचित किया जाए।

फर्स्ट टेक

जम्मू-कश्मीर के पुंछ में दो आतंकवादी गिरफ्तार

जम्मू/भाषा। जम्मू-कश्मीर के सीमावर्ती जिले पुंछ में पुलिस ने दो आतंकवादियों को गिरफ्तार कर उनके पास से हथियार बरामद किए हैं। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि छापेमारी के दौरान आजमाबाद निवासी तारिक शेख और चंबर गांव निवासी रियाज अहमद को हिरासत में लिया गया तथा उनसे की गई पूछताछ के आधार पर दो राइफल एवं गोला-बारूद बरामद किए गए। पुलिस ने आजमाबाद में शेख के घर पर छापा मारा और उसे उसके साथी अहमद के साथ गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने बताया कि दोनों से पूछताछ के बाद पुलिस दल ने जलियां गांव स्थित शेख के किराए के मकान पर छापा मारा और हथियार बरामद किए।

भारत जल्द कर सकता है दो पनडुब्बी सौदों पर हस्ताक्षर

नई दिल्ली/भाषा। चीन की बढ़ती नौसैना ताकत के मद्देनजर भारत अपनी समुद्री युद्ध क्षमताओं को बढ़ाने के लिए अगले साल के मध्य तक एक लाख करोड़ रुपए से अधिक के दो बड़े पनडुब्बी सौदों को अंतिम रूप दे सकता है। आधिकारिक सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। पहला सौदा तीन स्कॉर्पीन क्लास पनडुब्बियों के लिए है, जिनका निर्माण 'मझगांव डॉक लिमिटेड' (एमडीएल) और फ्रांस की रक्षा कंपनी 'नेवल ग्रुप' मिलकर करेंगे। रक्षा मंत्रालय ने हालांकि करीब 36,000 करोड़ रुपए के इस सौदे को दो साल पहले मंजूरी दे दी थी लेकिन तकनीकी और वित्तीय शर्तों को लेकर बातचीत में देरी हुई है। दूसरा बड़ा सौदा छह 'डीजल-इलेक्ट्रिक स्टील्थ' पनडुब्बियों के निर्माण का है, जिसकी अनुमानित लागत 65,000 करोड़ रुपए है। एक सूत्र ने बताया, हमें उम्मीद है कि अगले साल के मध्य तक दोनों सौदों को अंतिम रूप दे दिया जाएगा। जर्मनी के प्रमुख जहाज निर्माता 'थिसेनक्रुप मरीन सिस्टम्स' (टीकेएमएस) ने इस परियोजना के लिए 'मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड' के साथ साझेदारी की है। सूत्रों ने बताया कि सौदे की लागत पर बातचीत जल्द ही शुरू होगी और अनुबंध पूरा होने में पूरी प्रक्रिया में छह से नौ महीने लग सकते हैं।

इजराइली हमले में हमास का प्रवक्ता मारा गया

दीर अल-बलाह, 31 अगस्त (एपी) इजराइल के रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज़ ने रविवार को घोषणा की कि हमास के सशस्त्र विंग के प्रवक्ता अबू ओबैदा को इस सप्ताहांत गाजा में मार गिराया गया। ओबैदा का आखिरी बयान शुक्रवार को आया, जब इजराइल ने गाजा शहर में एक नए हमले की शुरुआत करते हुए इस क्षेत्र को युद्ध क्षेत्र घोषित कर दिया था। हमास ने इजराइल के इस दावे पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

दुनिया के श्रेष्ठ राष्ट्र के रूप में खड़ा हो रहा है भारत : आरएसएस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली, 31 अगस्त (वार्ता) राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने रविवार को यहां कहा कि भारत करवट ले रहा है और दुनिया के श्रेष्ठ राष्ट्र के रूप में खड़ा हो रहा है।

वह राष्ट्र निर्माण में दरभंगा राज के अध्यात्मिक और सांस्कृतिक योगदान पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर 'राज दरभंगा – धर्म संरक्षण से लेकर लोक कल्याण तक' पुस्तक का विमोचन भी किया गया।

होसबाले ने कहा कि विदेश के इतिहासकारों ने इस मिथ को स्थापित किया कि राजा मौज-मस्ती और विलासिता में डूबा रहता है, लेकिन हमारे देश में राजा को लोक कल्याण के कार्यों के साथ उच्च मानक स्थापित करने वाले के तौर पर देखा गया। उन्होंने कहा कि भारत में राजा को देवता माना गया जो प्रजा के लिए समान भाव के साथ मर्यादा का पालन करते थे। हमारे देश में प्रभु श्रीराम, राजा दशरथ, राजा हरिश्चंद्र, राजा भगीरथ ने लोक कल्याण और मर्यादा के प्रतिमान स्थापित किए।

होसबाले ने मिथिला के स्वर्णिम इतिहास और परंपरा पर चर्चा करते हुए कहा कि सांस्कृतिक, साहित्य, परंपरा और लोक कल्याण के क्षेत्र में लंबी फेहरिस्त है। उन्होंने इस अवसर पर दरंभगा राजघराने के कुमार अरिहंत को 18वें जन्मदिन की बधाई देते हुए कहा कि दरभंगा के राजा ने हिंदू धर्म की रक्षा के लिए देश में विभिन्न स्थानों पर सम्मेलन का भी आयोजन किया था और विश्व हिंदू परिषद की स्थापना में भी आगे बढ़कर मदद की थी। इसके अलावा शिक्षा के क्षेत्र में कई आधुनिक संस्थानों की स्थापना के साथ काशी हिंदू विश्वविद्यालय की स्थापना में शुरुआती पांच लाख की राशि दी थी। उन्होंने मदन मोहन मालवीय जी के साथ मिलकर विश्वविद्यालय के लिए एक करोड़ से अधिक की धनराशि का प्रबंध कराया था।

बाइकबोट घोटाला:

ईडी ने 394 करोड़ की संपत्ति कुर्क की

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रविवार को कहा कि उत्तर प्रदेश में सामने आए 'बाइकबोट' नामक कथित पोंजी घोटाले के सिलसिले में धन शोधन रोधी कानून के तहत 394 करोड़ रुपए से अधिक की और संपत्तियां कुर्क की गई हैं। ईडी के अनुसार ये संपत्तियां कामाख्या एजुकेशनल एंड सोशल वेलफेयर ट्रस्ट, कामाख्या एजुकेशनल सोसाइटी, गुरु नानक चैरिटेबल ट्रस्ट, अल्पाइन टेक्निकल एजुकेशन सोसाइटी, एपी गोयल चैरिटेबल ट्रस्ट और मीना आनंद नामक एक व्यक्ति के नाम पर हैं। ईडी ने बताया कि कुर्क की गई संपत्तियों का कुल मूल्य 394.42 करोड़ रुपए है। संघीय जांच एजेंसी ने एक बयान में कहा, वर्तमान कुर्की में 20.49 करोड़ रुपए मूल्य की अचल संपत्तियां और गिरवी रखी भूमि (जिसका मूल्य अपराध के समय 389.30 करोड़ रुपए है) तथा कुल 5.12 करोड़ रुपए की सावधि जमा शामिल हैं। एजेंसी ने कहा कि धन शोधन का यह मामला कुछ निवेशकों की ओर से मिलीं शिकायतों के आधार पर उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा दर्ज प्राथमिकी से संबंधित है।

आदिवासियों को समान नागरिक संहिता के दायरे से बाहर रखा जाएगा : रीजीजू

■ सरकार संविधान के अनुसार देश में समान नागरिक संहिता (लाने) के बारे में सोच रही है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली, 31 अगस्त (भाषा) केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने रविवार को कहा कि पूर्वोत्तर और देश के अन्य क्षेत्रों के आदिवासियों को प्रस्तावित समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के दायरे से बाहर रखा जाएगा ताकि वे अपनी व्यवस्था के अनुसार ''मुक्त रूप से'' जीवन जी सकें।

आरएसएस से संबद्ध वनवासी कल्याण आश्रम द्वारा यहां आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने इस मुद्दे पर केंद्र सरकार का रुख स्पष्ट करते हुए कहा कि कुछ लोग इन दिनों सोशल मीडिया पर एक विचित्र माहौल बना रहे हैं और केंद्र के खिलाफ एक विमर्श गढ़ रहे हैं।

मंत्री ने कहा, केंद्रीय मंत्री होने के नाते मैं अपनी सरकार का रुख साझा करना चाहता हूं। हमारी सरकार और पार्टी (भाजपा) संविधान के अनुसार देश में समान नागरिक संहिता (लाने) के बारे में सोच रही है। जब फौजदारी कानून सभी के लिए समान है, तो नागरिक कानून भी (सभी के लिए समान) क्यों नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि कुछ राज्यों ने इस संबंध में काम शुरू कर दिया है।

मंत्री ने कहा, लेकिन हमने स्पष्ट रूप से कहा है कि आदिवासियों को इससे छूट दी जाएगी। आदिवासियों को अपने तरीके से जीने की आज़ादी दी जाए। यह (समान नागरिक संहिता) अनुसूची 6, अनुसूची 5, पूर्वोत्तर और देश के अन्य आदिवासी इलाकों में लागू नहीं होगी।

यूसीसी के मुद्दे पर वर्तमान में विधि आयोग द्वारा विचार किया जा रहा है। उत्तराखंड ने राज्य में यूसीसी लागू कर दिया है।

भगवान बिरसा मुंडा भवन में जनजातीय अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र के उद्घाटन के अवसर पर रीजीजू ने कांग्रेस पर परोक्ष रूप से हमला करते हुए कहा कि एक समय था जब दिल्ली में अधिवक्ताओं के लिए कोई बड़ा संस्थान या स्थान नहीं था। उन्होंने कहा कि उस समय केंद्र की मंत्रिपरिषद में आदिवासी समुदायों के निर्वाचित सांसदों का प्रतिनिधित्व भी अपर्याप्त था।

01-09-2025 सूर्यास्त	02-09-2025 सूर्योदय
6:30 बजे	6:08 बजे

BSE	NSE
79,809.65	24,426.85
(-270.92)	(-74.05)

सोना	चांदी
10,637 रु.	122,001 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

करीब 697 करोड़ रुपए से जुड़े घोटाले में अमित अग्रवाल गिरफ्तार

नई दिल्ली 31 अगस्त (वार्ता): प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रविवार को कहा कि उन्होंने देश से 696.69 करोड़ रुपये की अवैध हेराफेरी से जुड़े धन शोधन के एक बड़े मामले में कथित प्रमुख संचालक अमित अग्रवाल को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार के बाद आरोपी को पीएमएलए अदालत के सामने पेश किया गया, जहां उसे सात दिन के लिए ईडी की हिरासत में भेज दिया गया। यह गिरफ्तारी धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत चल रही जांच से जुड़ी है। ईडी की पीएमएलए जांच दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) द्वारा दर्ज एक एफआईआर के आधार पर शुरू हुई है।

भारत में सामान्य से अधिक बारिश का अनुमान, बाढ़-भूस्खलन की चेतावनी

नई दिल्ली/भाषा। भारत में सितंबर में सामान्य से अधिक बारिश होने का अनुमान है। इस बार मानसून के मौसम में देश के कई हिस्सों में पहले ही भारी बारिश की वजह से आपदाएं आ चुकी हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने रविवार को कहा कि सितंबर 2025 के लिए मासिक औसत वर्षा 167.9 मिलीमीटर के दीर्घकालिक औसत से 109 प्रतिशत से अधिक होने का अनुमान है।

पूर्वानुमान के अनुसार, अधिकांश क्षेत्रों में सामान्य से लेकर सामान्य से अधिक वर्षा होगी। हालांकि, पूर्वोत्तर और पूर्वी भारत के कुछ क्षेत्रों, साथ ही सुदूर दक्षिणी प्रायद्वीपीय भारत के कई हिस्सों और उत्तर-पश्चिमी भारत के हिस्सों में सामान्य से कम वर्षा होने का अनुमान है।

आईएमडी के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने ऑनलाइन संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए चेतावनी दी कि भारी वर्षा से सितंबर में उत्तराखंड में भूस्खलन और अचानक बाढ़ आ सकती है तथा दक्षिणी हरियाणा, दिल्ली और उत्तरी राजस्थान में सामान्य जनजीवन बाधित हो सकता है। उन्होंने कहा, उत्तराखंड से कई नदियां निकलती हैं। इसलिए, भारी बारिश का मतलब है कि कई नदियां उफान पर होंगी और इसका असर निचले इलाकों के शहरों और कस्बों पर पड़ेगा। इसलिए, हमें इसे ध्यान में रखना चाहिए।

महापात्र ने कहा कि छत्तीसगढ़ में महानदी के ऊपरी जलग्रहण क्षेत्रों में भी भारी बारिश का अनुमान है। महापात्र ने कहा कि राजस्थान से मानसून वापसी की सामान्य तिथि एक सितंबर से बदलकर 17 सितंबर हो गई है, जिससे स्वयं संकेत मिलता है कि सितंबर में वर्षा की गतिविधि बढ़ गई है।

आईएमडी ने कहा कि सितंबर के दौरान पश्चिम-मध्य, उत्तर-पश्चिमी और दक्षिण भारत के कई क्षेत्रों में मासिक औसत अधिकतम तापमान सामान्य से लेकर सामान्य से नीचे रहने की उम्मीद है। हालांकि, पूर्व-मध्य, पूर्व और पूर्वोत्तर भारत के कई हिस्सों के साथ-साथ उत्तर-पश्चिम भारत और पश्चिमी तटीय क्षेत्र के कुछ इलाकों में तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना है।

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

भीड़ की पीड़

कर रहे भीड़ पर जो स्यापा,
वे भीड़ जुटाऊ नेता हैं।
निज नीड़ भीड़ से बना रहे,
भड़काऊ भीड़ प्रचेता हैं।
ये भीड़ बनी नैया जिनकी,
वे उनके घोषित खैता हैं।
बिन भीड़ जुटा लड़ लें चुनाव,
यदि सचमुच कुशल प्रणेता हैं।।

पंजाब में बीकेआई आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़, दो गुर्गे गिरफ्तार

चंडीगढ़, 31 अगस्त (भाषा) पंजाब पुलिस ने बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) समर्थित आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ कर उसके दो गुर्गों को गिरफ्तार किया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने दावा किया कि इसी के साथ राज्य में बड़ी विध्वंसकारी गतिविधियों को विफल कर दिया गया है। अधिकारी के मुताबिक इस मॉड्यूल का भंडाफोड़ पठानकोट और लुधियाना की काउंटर इंटेलिजेंस (सीआई) टीमों के साथ-साथ अमृतसर में राज्य विशेष अभियान प्रकोष्ठ (एसएसओसी) द्वारा किया गया। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने बताया कि गिरफ्तार संदिग्धों की पहचान गुरदासपुर के मल्हियां गांव निवासी सरवन कुमार और गुरदासपुर के जक्करिया निवासी बलविंदर सिंह के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि तलाशी के दौरान पुलिस टीम ने उनके पास से एक हथगोला, एक पिस्तौल तथा तीन कारतूस बरामद किए। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब एक सप्ताह से भी कम समय में सीआई पठानकोट ने इसी नेटवर्क के एक मॉड्यूल का भंडाफोड़ करके एक लक्षित हत्या को टाल दिया था।

गणेश उत्सव

रविवार को बेंगलूरु के शिवाजीनगर में गणेश उत्सव जुलूस में शामिल हुए लोग।

एजुकेट गर्ल्स बनी 2025 रेमन मैग्सेसे अवॉर्ड पाने वाली पहली भारतीय संस्था

नयी दिल्ली, 31 अगस्त (वार्ता) भारत की प्रमुख सामाजिक संस्था एजुकेट गर्ल्स को 2025 का रेमन मैग्सेसे अवॉर्ड से सम्मानित किया गया हैं। एशिया का यह सर्वोच्च सम्मान पहली बार किसी भारतीय संस्था को मिला है। यह पुरस्कार एजुकेट गर्ल्स को बालिकाओं एवं युवतियों की शिक्षा के समाज की अतार्किक सांस्कृतिक धारणाओं को चुनौती देने, उन्हें निरक्षरता से मुक्त करने और उन्हें कौशल, हिम्मत और आत्मनिर्भरता देने के लिए दिया गया है।

एजुकेट गर्ल्स संस्था अब उस गौरवशाली पंक्ति का हिस्सा बन चुकी है, जिसमें सत्यजीत रे, एम.एस. सुब्बुलक्ष्मी, किरण बेदी, विनोबा भावे, दलाई लामा, मदर टेरेसा और ऑस्कर विजेता हायाओ मियाज़ाकी जैसी विश्वप्रसिद्ध विभूतियां शामिल हैं।

एजुकेट गर्ल्स की संस्थापक सफीना हुसैन ने कहा, यह उपलब्धि हमारी टीम, बालिका स्वयंसेवकों, पार्टनर्स, समर्थकों और सबसे बढ़कर उन बच्चियों के नाम है, जिन्होंने अपनी सबसे बड़ी ताकत, शिक्षा को फिर से हासिल किया।

ईटा सकल जैन संघ ने की सामूहिक क्षमापना

मन की गांठें खोलने से ही जीवन में आती है शांति : नरेशमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। चारों पंथों के धर्मावलंबियों द्वारा गठित ईटा सकल जैन संघ का सामूहिक क्षमापना समारोह रविवार को उप प्रवर्तक नरेशमुनिजी म.सा. एवं शालिभद्रमुनि जी की निश्रा में ईटा एम्फीथिएटर में सम्पन्न हुआ। मुनिश्री ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि मन में वैर–द्वेष की लगी गांठों को खोलने से ही जीवन में शांति, सुकून एवं मोक्ष के लक्ष्य की प्राप्ति हो सकती है। आप कितनी भी पूजा, सामायिक, प्रतिक्रमण कर लीजिए मगर यदि आप कषायों से परे नहीं हैं तो वे भी फलीभूत नहीं होंगे। सकल संघ के अध्यक्ष रतन मेहता ने स्वागत भाषण दिया। इस अवसर पर ईटा सकल जैन संघ की ई–डायरेक्टरी प्रायोजक 'मनी एक्स' समूह के डॉ. रमेशचंद्र दक एवं भावेश शाह के साथ मंचासीन पदाधिकारियों ने लोकार्पण किया। स्वामीवात्सलय के संपूर्ण लाभार्थी शांतिलाल सुनील कुमार देरासरिया परिवार के प्रति आभार प्रकट किया गया। कार्यक्रम में 100 से अधिक तपस्वियों का संघ की ओर से अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम का संचालन कर रही बिंदू मेहता व मनोज बडेरा ने धार्मिक प्रश्नोत्तरी व क्विज के माध्यम से समा बांधा। अगले वर्ष के लाभार्थी का आदेश राजेश कुमार खांटेड़ परिवार पाली को मिला। मंदिरमार्गी समाज के पृथ्वीराज मेहता, स्थानकवासी समाज के मीठालाल कास्वा, तेरापंथ समाज के रमेशचंद्र दक, दिगंबर समाज के विकास जैन ने भी अपने विचार रखे। धन्यवाद मंत्री सुरेंद्र मेहता ने दिया।

सत्संग में जाकर जीवन खुशियों से भर जाएगा : डा. वरुण मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां श्री गुजराती जैन संघ गांधीनगर में चातुर्मास हेतु विराजमान डा. वरुण मुनिजी ने रविवार को उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि यदि किसी वृक्ष की जड़ काट दी जाए तो वृक्ष में कोई शक्ति नहीं रहती और जड़ के बिना वृक्ष का कोई अस्तित्व नहीं होता। ठीक उसी प्रकार यदि मनुष्य के जीवन में भगवान के नाम के दीपक का उजाला नहीं है, तो मनुष्य का जीवन घोर अंधकारमय है।

उन्होंने कहा कि इस घोर कलियुग में हमारी बुद्धि और अहंकार ने पर्दा डाल रखा है, जो मनुष्य को राम नाम की चर्चा में नहीं जाने देता। उन्होंने बताया कि यदि हम सत्संग में जाकर वचनों पर अमल करें, तो सभी प्रकार की चिंताएँ और दुख दूर हो जाएंगे और जीवन खुशियों से भर जाएगा। आज हर व्यक्ति दुखी है, जिसका कारण काम, क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार है। उन्होंने कहा कि सत्संग में जाकर ही हम इन पाँच चोरों से मुक्ति पा सकते हैं और आनंदमय जीवन जी सकते हैं। कार्यक्रम की शुरुआत में श्री रूपेश मुनिजी ने भजन प्रस्तुत किए। उप प्रवर्तक श्री पंकज मुनिजी ने सभी को मंगल पाठ करवाया।

देश की परीक्षा ले रही हैं प्राकृतिक आपदाएं: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'मन की बात' कार्यक्रम में कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लगातार बारिश के कारण हुए भूस्खलन और बाढ़ से हुई तबाही पर दुख व्यक्त करते हुए रविवार को कहा कि प्राकृतिक आपदाएं देश की परीक्षा ले रही हैं।

मोदी ने मन की बात कार्यक्रम के 125वें एपिसोड में विनाशकारी प्राकृतिक आपदाओं के बीच जम्मू कश्मीर की दो प्रमुख उपलब्धियों पुलवामा में पहला 'दिन–रात्रि' क्रिकेट मैच और श्रीनगर की डल झील में 'खेलो इंडिया वाटर स्पोर्ट्स फेस्टिवल' का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा, इस मानसून के मौसम में प्राकृतिक आपदाएं देश की परीक्षा ले रही हैं। पिछले कुछ हफ्तों में हमने बाढ़ और भूस्खलन से भारी तबाही देखी है। मकान तबाह हो गए, खेत जलमग्न हो गए और पूरे के पूरे परिवार बर्बाद हो गए।

मोदी ने रेडियो पर प्रसारित कार्यक्रम में कहा, पानी के लगातार बहाव ने पुल बहा दिए; सड़कें बह गईं और लोगों की जान खतरे में पड़ गई। इन घटनाओं ने हर भारतीय को दुखी किया है।

प्रधानमंत्री ने बचाव अभियान के दौरान राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) और सुरक्षा बलों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा, जहां भी संकट आया, एनडीआरएफ–एसडीआरएफ के हमारे जवानों

और अन्य सुरक्षा बलों ने लोगों को बचाने के लिए दिन–रात काम किया। जवानों ने तकनीक की भी मदद ली। थर्मल कैमरे, लाइव डिटेक्टर, खोजी कुत्तों और ड्रोन निगरानी की मदद से राहत कार्यों में तेजी लाने की कोशिश की गई।

मोदी ने कहा, इस दौरान, हेलीकॉप्टर से राहत सामग्री पहुंचाई गई और घायलों को हवाई मार्ग से एक स्थान से दूसरे स्थान पर पहुंचाया गया। आपदा के समय सशस्त्र बल मदद के लिए आगे आए। स्थानीय निवासियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, चिकित्सकों, प्रशासन सभी ने संकट की इस घड़ी में हर संभव प्रयास किया। मैं उन सभी देशवासियों का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं जिन्होंने इस कठिन समय में मानवता को प्राथमिकता दी।

मोदी ने कहा कि बाढ़ और बारिश से हुई तबाही के बीच जम्मू कश्मीर ने दो बेहद खास उपलब्धियां भी हासिल की हैं। उन्होंने कहा, इन पर ज्यादा लोगों का ध्यान नहीं गया। लेकिन आपको इन उपलब्धियों के बारे में जानकर खुशी होगी। पुलवामा के एक स्टेडियम में रिकॉर्ड संख्या में लोग इकट्ठा हुए। पुलवामा का पहला दिन–रात्रि क्रिकेट मैच यहां खेला गया। पहले यह नामुमकिन था, लेकिन अब मेरा देश बदल रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा, दूसरा आयोजन जिसने ध्यान आकृष्ट किया, वह था श्रीनगर की डल झील में आयोजित देश का पहला 'खेलो इंडिया वाटर स्पोर्ट्स फेस्टिवल'। सचमुच, इस तरह के उत्सव के आयोजन के लिए यह कितनी खास जगह है।

मोदी ने कहा कि इसमें पूरे भारत से 800 से अधिक एथलीट ने हिस्सा लिया। प्रधानमंत्री कहा, महिला एथलीट भी पीछे नहीं रहीं; उनकी भागीदारी लगभग पुरुषों के बराबर थी। मैं सभी प्रतिभागियों को बधाई देता हूं।

शाह ने अहमदाबाद में शहरी स्वास्थ्य केंद्र का उद्घाटन किया, पौधारोपण अभियान में भाग लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को यहां पौधारोपण अभियान में भाग लिया और शहरी स्वास्थ्य केंद्र का भी उद्घाटन किया। शाह और गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने अहमदाबाद के घाटलोदिया वार्ड में ''एक पेड़ मां के नाम'' पहल के तहत पौधारोपण अभियान का नेतृत्व किया।

यह अभियान लोगों को अपनी मां के नाम पर एक पेड़ लगाने के लिए प्रोत्साहित करता है। यह कार्यक्रम अहमदाबाद नगर निगम (एएमसी) द्वारा आयुष्मान वन में आयोजित किया गया। वहीं, एक अन्य कार्यक्रम में शाह ने अहमदाबाद के गोटा वार्ड में 3.84 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित एक शहरी स्वास्थ्य केंद्र का उद्घाटन किया। इस संबंध में जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया कि यह केंद्र आयुष्मान भारत के तहत पीएमजेएवाई (प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना)

कार्ड, आभा कार्ड, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, जननी सुरक्षा योजना के साथ–साथ अन्य सभी स्वास्थ्य संबंधी सेवाएं उपलब्ध कराएगा। इसके अलावा, यह गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं और महिलाओं के रोगों के निदान, उपचार सेवाओं की सुविधा भी प्रदान करेगा। विज्ञप्ति में कहा गया कि नवजात शिशुओं और बच्चों के लिए बाल रोग विशेषज्ञों द्वारा जांच, निदान, उपचार सेवाएं तथा गर्भवती महिलाओं और बच्चों के टीकाकरण से संबंधित सेवाएं भी उपलब्ध होंगी। यह केंद्र सभी संचारी रोगों का शीघ्र निदान, उपचार और रेफरल, रक्तचाप, मधुमेह, कैंसर समेत अन्य रोगों के लिए रोगियों की जांच और रेफरल जैसी सेवाएं भी प्रदान करेगा।

गृहमंत्री अमित शाह केवल बाढ़ की स्थिति का जायजा लेने जम्मू-कश्मीर आ रहे हैं : उमर

जम्मू/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह इस सप्ताह की शुरुआत में जम्मू–कश्मीर में बादल फटने और रिकॉर्ड बारिश के कारण आई अचानक बाढ़ से हुए नुकसान का जायजा करने के लिए केंद्र शासित प्रदेश के दौरे पर आ रहे हैं। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने रविवार को यह जानकारी दी। शाह का दो दिवसीय दौरे पर जम्मू पहुंचने और सोमवार को उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करने से पहले बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण करने का कार्यक्रम है। अधिकारियों के मुताबिक 14 अगस्त से अब तक किश्तवाड़, कठुआ, रियासी और रामबन जिलों में बादल फटने, भूस्खलन और अचानक आई बाढ़ के कारण 130 से अधिक लोग मारे गए और 120 घायल हो गए, जबकि 33 लापता हैं। अब्दुल्ला ने कहा, केंद्रीय गृह मंत्री केवल भारी बारिश और बाढ़ के बाद की स्थिति का आकलन करने और केंद्र से हमारी आवश्यकताओं (संकट से निपटने के लिए) को देखने के लिए यहां आ रहे हैं।

पंजाब बाढ़: मानवीय सहायता और आपदा राहत अभियान चला रही सेना

चंडीगढ़/भाषा। जम्मू और पंजाब के कुछ हिस्सों में आई भीषण बाढ़ के मद्देनजर भारतीय सेना की पश्चिमी कमान व्यापक मानवीय सहायता और आपदा राहत अभियान चला रही है। रविवार को यहां जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि तत्काल राहत प्रदान करने के लिए सेना विमानन और भारतीय वायु सेना के हेलीकॉप्टर आधारित टुकड़ियों समेत कुल 47 टुकड़ियों को सक्रिय किया गया है, साथ ही इंजीनियरों, चिकित्सा और संचार संसाधनों को भी तैनात किया गया है।

भारतीय वायुसेना के तीन उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर, 10 टोही और अवलोकन हेलीकॉप्टर, छह एमआई–17 और एक चिनूक समेत बीस विमान को निकासी और आवश्यक राहत सामग्री की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सेवा में लगाया गया। बयान में बताया गया कि पश्चिमी कमान के सैन्य कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनोज कुमार कटियार ने हाल में जम्मू और पंजाब में आई बाढ़ से प्रभावित अग्रिम क्षेत्रों का दौरा किया और मानवीय सहायता और आपदा राहत अभियानों की समीक्षा की।

उन्हें राज्य प्रशासन, पुलिस और असैन्य प्राधिकारों के साथ निकट समन्वय में सेना द्वारा किए जा रहे व्यापक बचाव, राहत और पुनर्वास उपायों के बारे में जानकारी दी गई। सैन्य कमांडर ने उच्च स्तर की तैयारियों, टुकड़ियों की त्वरित तैनाती, तथा फंसे हुए नागरिकों को निकालने, चिकित्सा सहायता, आवश्यक आपूर्ति प्रदान करने तथा संपर्क बहाल करने के लिए चौबीसों घंटे किए जा रहे प्रयासों पर संतोष व्यक्त किया।

कच्छ में स्वच्छ ऊर्जा का नया केंद्र, अंबानी-अदाणी ने किया अरबों का निवेश

नई दिल्ली/भाषा। गुजरात के कच्छ रण में पाकिस्तान की सीमा के पास की एक विशाल बंजर भूमि भारत की स्वच्छ ऊर्जा महत्वाकांक्षाओं का केंद्र बन गई है, जिसने उद्योगपति मुकेश अंबानी और गौतम अदाणी से कई अरब डॉलर का निवेश आकर्षित किया है।

पाकिस्तान सीमा के पास के इस सूखे और बंजर इलाके के लिए सबसे पहले अदाणी समूह ने अपनी बड़ी योजनाओं का ऐलान किया था। उनका खावड़ा नवीकरणीय ऊर्जा पार्क 538 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है, जो पेरिस शहर से करीब पांच गुना बड़ा है। इसे दुनिया की सबसे बड़ी हरित ऊर्जा परियोजना बताया जा रहा है, जिसका लक्ष्य सौर और पवन ऊर्जा के जरिए 30 गीगावाट बिजली पैदा करना है।

अदाणी समूह ने खावड़ा में 2022 में काम शुरू किया था और फरवरी 2024 तक राष्ट्रीय ग्रिड में पहली बिजली की आपूर्ति भी शुरू कर दी। दूसरी ओर, मुकेश अंबानी ने पिछले साल अगस्त में रिलायंस इंडस्ट्रीज की सालाना बैठक में कच्छ में अपनी स्वच्छ ऊर्जा परियोजना की घोषणा की थी। इस साल की बैठक में उनके सबसे छोटे बेटे अनंत अंबानी ने और भी जानकारी दी। अनंत अंबानी ने 29 अगस्त को कहा, गुजरात के कच्छ में हम दुनिया की सबसे बड़ी एकल–स्थल सौर ऊर्जा परियोजनाओं में से एक विकसित कर रहे हैं, जो 5.5 लाख एकड़ बंजर भूमि में फैली है। यह सिंगापुर के आकार से तीन गुना बड़ी है।

चीन अक्टूबर से विशेष उर्वरक निर्यात पर प्रतिबंध फिर लगाएगा: एसएफआईए

नई दिल्ली/भाषा। भारत का विशेष उर्वरक उद्योग आपूर्ति संबंधी नई चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार है, क्योंकि चीन अक्टूबर से निर्यात प्रतिबंध फिर से लगाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

एक वरिष्ठ उद्योग अधिकारी ने शनिवार को कहा कि ऐसे में कीमतें बढ़ सकती हैं, जिसका सीधा असर किसानों पर पड़ेगा। चीन से विशेष उर्वरक निर्यात की अस्थायी बहाली के चलते राहत मिली है, लेकिन यह राहत अल्पकालिक होगी, क्योंकि बीजिंग अगले महीने से निरीक्षण बढ़ाकर और खेप में देरी करके निर्यात नियंत्रण कड़ा करने की योजना बना रहा है।

घुलनशील उर्वरक उद्योग संघ (एसएफआईए) के अध्यक्ष राजीब चक्रवर्ती ने पीटीआई–भाषा को दिए एक साक्षात्कार में कहा, यह एक अस्थायी समाधान है, क्योंकि चीन अक्टूबर से निर्यात खिड़की बंद कर रहा है। वे इसे केवल भारत के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व बाजार के लिए बंद कर देंगे। भारत और चीन के बीच मुद्दे फिलहाल सुलझ गए हैं, लेकिन प्रतिबंधों का सिलसिला फिर से शुरू होने की आशंका है।

क्या 'न्यू नॉर्मल' चीनी आक्रामकता एवं हमारी सरकार की कायरता से परिभाषित किया जाना चाहिए: कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच रविवार को मुलाकात के बाद कांग्रेस ने केंद्र पर निशाना साधते हुए सवाल किया कि क्या ''न्यू नॉर्मल'' (नई सामान्य स्थिति) चीन की आक्रामकता और ''सरकार की कायरता'' से परिभाषित किया जाना चाहिए।

कांग्रेस ने सवाल किया कि क्या प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार का चीन के साथ सुलह पर जोर देना वास्तव में उसकी क्षेत्रीय आक्रामकता को वैध ठहरा रहा है। मोदी ने तियानजिन में चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ अपनी बैठक में कहा कि भारत आपसी विश्वास, सम्मान और संवेदनशीलता के आधार पर चीन के साथ अपने संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। कांग्रेस महासचिव एवं संचार प्रभारी जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स'

पर लिखा, आज प्रधानमंत्री मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच हुई मुलाकात का आकलन निम्नलिखित संदर्भों में किया जाना चाहिए– जून 2020 में गलवान घाटी में चीनी आक्रामकता के चलते हमारे 20 सबसे बहादुर जवानों ने अपनी जान की कुर्बानी दी। इसके बावजूद, 19 जून 2020 को प्रधानमंत्री मोदी ने चीन को कायराना तरीके से (कुख्यात) क्लीन चिट दे दी। उन्होंने कहा कि सेना प्रमुख ने लद्दाख में चीन के साथ सीमा पर यथास्थिति की पूर्ण बहाली की मांग की थी। रमेश ने कहा, लेकिन इसे हासिल करने में विफल रहने के बावजूद मोदी सरकार ने चीन के साथ सुलह की दिशा में कदम बढ़ाए जिससे चीन की उस क्षेत्र में आक्रामकता को अप्रत्यक्ष रूप से वैधता मिल गई।

नियमों में अस्पष्टता के कारण भारतीय डाक ने अमेरिका के लिए सभी डाक बुकिंग निलंबित की

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय डाक ने अमेरिकी सीमा शुल्क विभाग द्वारा जारी नए नियमों में स्पष्टता के अभाव में अमेरिका जाने वाले सभी प्रकार की डाक बुकिंग सेवाएं अस्थायी रूप से निलंबित कर दी हैं। एक आधिकारिक बयान में रविवार को यह जानकारी दी गई।

इससे पहले, अमेरिकी सरकार द्वारा जारी किए नए सीमा शुल्क नियमों के कारण देश के डाक विभाग ने 100 अमेरिकी डॉलर से अधिक मूल्य के उपहारों के लिए डाक सेवाओं को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया था। बयान में कहा है, 22 अगस्त, 2025 के सार्वजनिक नोटिस के क्रम में, डाक विभाग ने अमेरिका के लिए डाक बुकिंग पर लगे निलंबन की समीक्षा की है। चूंकि अमेरिका जाने वाली डाक को ले जाने वाले वाहक अब भी उपलब्ध नहीं हैं और नियामक प्रक्रियाओं को लेकर अब भी स्पष्टता नहीं है, इसलिए निर्णय लिया कि 100 अमेरिकी डॉलर तक के पत्र, दस्तावेज और उपहार सहित सभी प्रकार की डाक बुकिंग को निलंबित कर दिया जाए। डाक विभाग ने कहा कि वह स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहा है। बयान में कहा है, जिन ग्राहकों ने पहले ही सामान बुक करा दिया है और उन्हें भेजा नहीं जा सका है, वे डाक शुल्क वापसी का दावा कर सकते हैं। इससे पहले विभाग ने कहा था कि अमेरिकी सीमा शुल्क विभाग द्वारा जारी नए मानदंडों में स्पष्टता की कमी के कारण अमेरिका जाने वाली हवाई कंपनियों द्वारा खेप ले जाने से इनकार किए जाने के कारण भारत से अमेरिका तक की डाक सेवाएं अस्थायी रूप से निलंबित कर दी गई हैं।

नड्डा मुंबई में गणेश पंडाल पहुंचे, कहा:

मोदी के नेतृत्व में भारत की प्रगति के लिए कामना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जेपी नड्डा ने रविवार को कहा कि उन्होंने यहां एक गणेश पंडाल का दौरा किया और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश की प्रगति के लिए आशीर्वाद मांगा। नड्डा ने पत्रकारों से कहा, हम सभी जानते हैं कि भगवान गणेश ज्ञान के देवता हैं और जीवन में आने वाली बाधाओं को दूर करते हैं। गणेश उत्सव के दौरान शहर की यात्रा करना मेरे लिए सौभाग्य की बात है।

महाराष्ट्र के मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा, भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण और पार्टी की मुंबई इकाई के प्रमुख अमित साटम उनके साथ थे। नड्डा ने कहा कि लोकमान्य तिलक ने 1893 में गणेश उत्सव के दौरान सार्वजनिक समारोह आयोजित करने की शुरुआत की थी, जिसने बाद में स्वतंत्रता आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अब इसके 133 वर्ष पूरे हो गए हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र

मोदी के नेतृत्व में हम आत्मनिर्भर, मजबूत, सुरक्षित, समृद्ध और विकसित भारत बनाने की ओर बढ़ रहे हैं। मैंने भगवान गणेश से बाधाओं को दूर करने और इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए हमें शक्ति प्रदान करने का आशीर्वाद मांगा। बाद में नड्डा ने लिखा, गणेश उत्सव के अवसर पर, आज मुझे मुंबई के चंद्रलोक गणपति मंडल में विघ्नहर्ता के दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। नड्डा ने महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से उनके सरकारी आवास राजभवन में शिष्टाचार भेंट की।

'वोट चोरी' अभियान से मतदाताओं को गुमराह कर रहे हैं राहुल गांधी : शशिधर रेड्डी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता मर्री शशिधर रेड्डी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर 'वोट चोरी' अभियान के जरिए मतदाताओं को गुमराह करने की कोशिश करने का आरोप लगाया है।

रेड्डी ने रविवार को कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी का 'वोट चोरी' अभियान लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में अविश्वास पैदा करने का एक 'सुनियोजित प्रयास' है। राष्ट्रीय

आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के पूर्व उपाध्यक्ष एवं तेलंगाना की भाजपा इकाई के चुनावी मामलों की समिति के प्रमुख रेड्डी ने राहुल गांधी के इस अभियान को 'निर्मित उन्माद' करार दिया। उन्होंने बिहार में 'वोटर अधिकार यात्रा' शुरू करने के लिए राहुल गांधी और 'इंडिया' गठबंधन के अन्य नेताओं की आलोचना करते हुए कहा कि विपक्षी नेता मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान उपलब्ध 'प्रक्रियात्मक सुरक्षा उपायों की अनदेखी' कर रहे हैं। निर्वाचन आयोग ने बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सत्यापन के माध्यम से सटीक और निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने के लिए एसआईआर शुरू किया है। रेड्डी ने एक बयान में बताया कि जनवरी 2025 में प्रकाशित मतदाता सूची में बिहार के 77,895 मतदान केंद्रों पर 7.89 करोड़ मतदाताओं को सूचीबद्ध किया गया था।

ऑस्ट्रेलिया में 10 लाख घर बनाने के लिए बातचीत कर रहा भारत: गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत ऑस्ट्रेलिया में 10 लाख घर बनाने के लिए बातचीत कर रहा है और इसके लिए यूएई से वित्तीय मदद मांगी है।

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय संभाल रहे गोयल ने इस परियोजना को 500 अरब डॉलर का अवसर बताया। उन्होंने कहा, मैं ऑस्ट्रेलिया में अपने समकक्ष के साथ 10 लाख घर बनाने के लिए बातचीत कर रहा हूं। 10 लाख घर। कोई हिसाब लगाना चाहता है? ऑस्ट्रेलिया में 10 लाख घर बनाना कम से कम 500 अरब डॉलर का मौका है। गोयल ने इस परियोजना के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी, जैसे कि ऑस्ट्रेलिया में यह घर कहां बनेंगे, ऑस्ट्रेलिया सरकार इस पर कितना पैसा खर्च करेगी, या इस पूरे काम में भारत की क्या भूमिका होगी। गोयल ने बताया कि भारत सरकार का प्रस्ताव है कि भारतीय कामगारों को ऑस्ट्रेलिया भेजा जाए, जहां उन्हें घर बनाने के लिए प्रशिक्षण दिया जाएगा। इससे वे वहां के नियमों के अनुसार घर बना सकेंगे। कुछ रिपोर्ट के अनुसार, ऑस्ट्रेलिया में घरों की

मांग ज्यादा है जबकि आपूर्ति कम है। इसी वजह से वहां घरों की कीमतें बहुत बढ़ गई हैं। हाल में हुए चुनावों में भी आवास एक अहम मुद्दा था। इस बड़े मौके (10 लाख घर बनाने) को 500 अरब डॉलर का बताते हुए, गोयल ने कहा कि उन्होंने वित्तीय मोर्चे पर मदद के लिए संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से संपर्क किया है, जो भारतीय रियल एस्टेट में एक महत्वपूर्ण निवेशक है। यूएई के वाणिज्य मंत्री थानी बिन अहमद अल जेयोदी के नेतृत्व में आए व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक के दौरान गोयल ने कहा कि उन्होंने यूएई के सामने साझेदारी का प्रस्ताव भी रखा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, मैंने थानी से बात की कि क्या हम इस बड़े अवसर के वित्तपोषण में मदद के लिए साझेदारी कर सकते हैं। गोयल ने कहा कि दुनिया भर के देश गठजोड़ के लिए भारत की ओर देख रहे हैं और हमें ऐसे अवसरों का लाभ उठाने की जरूरत है। घरेलू उद्योग समूह सीआईआई के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गोयल ने कहा, इन अवसरों का लाभ उठाना हमारा काम है। अगर हम चूक गए तो इसके लिए हम स्वयं ही जिम्मेदार होंगे। भारत और ऑस्ट्रेलिया एक मुक्त व्यापार समझौते पर भी बातचीत कर रहे हैं, तथा अमेरिका द्वारा 50 प्रतिशत शुल्क लगाए जाने के बाद ऑस्ट्रेलिया ने भी भारत का सार्वजनिक रूप से समर्थन किया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत अमेरिका के साथ मुद्दों को सुलझाने के लिए बातचीत कर रहा है।

रविवार को मैसूरु में भागीरथ जयंती का उद्घाटन करते हुए मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या।

‘मैसूरु दशहरा’ के उद्घाटन के लिए बानू मुश्ताक को आमंत्रित करने का सिद्दरामय्या ने बचाव किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने अंतरराष्ट्रीय बुकर पुरस्कार विजेता बानू मुश्ताक को इस साल के मैसूरु दशहरा के उद्घाटन के लिए आमंत्रित करने के फैसले का रविवार को बचाव करते हुए इसे (मैसूरु दशहरा) सभी समुदायों के लिए एक धर्मनिरपेक्ष और सांस्कृतिक उत्सव बताया। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, दशहरा एक सांस्कृतिक उत्सव है, यह ‘नाड हब्बा’ (राज्य उत्सव) है। ऐसा नहीं है कि इसका उद्घाटन केवल एक खास धर्म के लोगों द्वारा ही किया जाए। नाड हब्बा का मतलब है हिंदू, ईसाई, मुस्लिम, बौद्ध, जैन, सभी के लिए एक उत्सव। यह सभी के लिए उत्सव है।

उन्होंने कहा, दशहरा संबंधी उच्चाधिकार प्राप्त समिति ने मुझे अधिकृत किया था और मैंने फैसला किया कि अंतरराष्ट्रीय बुकर पुरस्कार विजेता बानू मुश्ताक को इसका उद्घाटन करना चाहिए। इससे पहले भी, मुस्लिम समुदाय के कवि के.एस. निसार अहमद को दशहरा के उद्घाटन के लिए आमंत्रित किया गया था। इस फैसले का विरोध करने वालों को इतिहास नहीं जानने वाला कट्टरपंथी करार देते हुए सिद्दरामय्या ने बताया कि यह उत्सव हैदर अली, टीपू सुल्तान और दीवान मिर्जा इस्माइल के शासनकाल में भी मनाया जाता था।

उन्होंने कहा, यह एक धर्मनिरपेक्ष उत्सव है, इसलिए मैंने तय किया कि अंतरराष्ट्रीय बुकर पुरस्कार विजेता को आमंत्रित किया जाना चाहिए।

कुछ कट्टरपंथी इसके खिलाफ बोल रहे हैं; अगर उन्हें इतिहास नहीं पता तो उन्हें इतिहास पढ़ने की जरूरत है। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) इस मुद्दे का राजनीतिकरण कर रही है।

मुश्ताक का एक पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित होने के बाद आपत्ति जताई गई थी, जिसमें उन्होंने कथित तौर पर कन्नड़ भाषा की देवी भुवनेश्वरी के रूप में पूजा करने पर आपत्ति जताई थी और इसे अल्पसंख्यकों के लिए अलगावकारी बताया था।

भाजपा की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा और मैसूरु के सांसद यदुवीर कृष्णदत्त चामराजा वाडियार ने मांग की है कि उत्सव का उद्घाटन करने से पहले मुश्ताक देवी चामुंडेश्वरी के प्रति अपनी श्रद्धा स्पष्ट करें। मुश्ताक ने कहा कि उनकी टिप्पणियों को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया है और उनके भाषण के चुनिंदा अंश सोशल मीडिया पर प्रसारित किए जा रहे हैं।

उनके बयान को माता कन्नड़ का अपमान समझे जाने पर सिद्दरामय्या ने कहा, दशहरा के उद्घाटन के लिए उन्हें आमंत्रित करने से इसका क्या लेना-देना है? क्या वे कन्नड़ तायी का सम्मान किए बिना कन्नड़ में लिखेंगी? उनकी रचना ‘हृदय हनते’ (हार्ट लैंप) किस भाषा में है? क्या भाषा के प्रति प्रेम के बिना कन्नड़ में लिखना संभव है? उनकी सभी साहित्यिक रचनाएं कन्नड़ में हैं।

भाजपा पर बेकार की बात पर विरोध जताने का आरोप लगाते हुए उन्होंने दोहराया, यह ‘नाड हब्बा’ है, मैं इसे बिल्कुल स्पष्ट कर रहा हूं। इस उत्सव में सभी समुदायों के लोग भाग लेते हैं। इसके उद्घाटन के लिए बानू मुश्ताक को आमंत्रित करना उचित है। भाजपा के इस सवाल पर कि मुश्ताक के साथ अंतरराष्ट्रीय बुकर पुरस्कार साझा करने वाली अनुवादक दीपा भस्थी को क्यों नहीं बुलाया गया, इस पर मुख्यमंत्री ने कहा, दो लोग उद्घाटन नहीं कर सकते। मैसूर पैलेस के सामने उन्हें सम्मानित करने के बारे में बाद में विचार करेंगे। सरकार पहले ही दोनों को 10-10 लाख रुपये देकर सम्मानित कर चुकी है। इस वर्ष दशहरा उत्सव 22 सितंबर से शुरू होगा और दो अक्टूबर को ‘विजयादशमी’ के साथ समाप्त होगा।

‘टूलकिट’ के तहत चामुंडी पहाड़ी और मंदिर को निशाना बना रही है कांग्रेस : अशोक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता आर. अशोक ने रविवार को आरोप लगाया कि कर्नाटक में सत्तारूढ़ कांग्रेस द्वारा हिंदू धार्मिक स्थलों को एक टूलकिट के तहत यह दावा करके निशाना बनाया जा रहा है कि प्रसिद्ध चामुंडी पहाड़ी केवल हिंदुओं की नहीं है जहां चामुंडेश्वरी मंदिर स्थित है। विपक्ष के नेता ने चामुंडेश्वरी मंदिर में दर्शन पूजन करने के बाद कांग्रेस सरकार को बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन की चेतावनी दी।

अशोक ने यहां पत्रकारों से कहा, कांग्रेस सरकार ने कहा है कि चामुंडेश्वरी मंदिर केवल हिंदुओं का नहीं है। इसलिए मेरा सरकार से सवाल है कि अगर यह हिंदुओं का नहीं है, तो किसका है? अगर आपमें हिम्मत है, तो क्या आप किसी मस्जिद के सामने जाकर कहेंगे कि यह मुसलमानों की नहीं है? हिंदू धार्मिक केंद्रों को निशाना बनाए जाने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि सबरीमला, तिरुपति, धर्मस्थल के बाद अब चामुंडी पहाड़ी है। अशोक ने आरोप लगाया कि कांग्रेस यह कहकर वोट बैंक और तुष्टिकरण की राजनीति कर रही है कि चामुंडी पहाड़ी और मंदिर केवल हिंदुओं के नहीं हैं। उन्होंने कहा कि यह बेहद निंदनीय है।

उन्होंने कहा, धर्मस्थल के खिलाफ जारी दुष्प्रचार अभियान और षड्यंत्र के खिलाफ हम धर्मस्थल चलो रैली का आयोजन कर रहे हैं। अगर सरकार यह रुख अपनाती है कि चामुंडेश्वरी मंदिर केवल हिंदुओं का नहीं है, तो हम यहां चामुंडेश्वरी देवस्थान (मंदिर) चलो रैली का आयोजन करेंगे। यह एक हिंदू धार्मिक केंद्र है। अगर इसका अपमान किया गया तो हिंदू इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे।

उन्होंने कहा कि हिंदुओं ने लगभग 500 वर्षों तक अयोध्या राममंदिर के लिए लड़ाई लड़ी और अब वहां मंदिर का निर्माण हो गया है। भाजपा विधायक दल के नेता ने चेतावनी दी कि यदि चामुंडेश्वरी मंदिर को आपके ‘टूलकिट’ के हिस्से के रूप में निशाना बनाया जाता है, तो आपका (कांग्रेस का) अंत यहीं से शुरू होगा। सावधान रहें।

उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार द्वारा पिछले सप्ताह यह कहे जाने के बाद विवाद खड़ा हो गया है कि चामुंडी पहाड़ी और देवी चामुंडेश्वरी हर धर्म की संपत्ति हैं और यह केवल हिंदुओं की संपत्ति नहीं है। इस बयान पर विपक्षी भाजपा ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की थी। उप-मुख्यमंत्री ने यह बयान अंतरराष्ट्रीय बुकर पुरस्कार विजेता बानू मुश्ताक को इस वर्ष 22 सितंबर को चामुंडी पहाड़ियों की चोटी पर विश्व प्रसिद्ध ‘मैसूरु दशहरा-2025’ समारोह का उद्घाटन करने के लिए दिए गए सरकारी निमंत्रण के विरोध पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए दिया था। एक पुराना वीडियो वायरल होने के बाद, भाजपा नेताओं और अन्य लोगों ने मुश्ताक को आमंत्रित करने के राज्य सरकार के फैसले पर आपत्ति जतायी है।

बानू मुश्ताक का एक पुराना वीडियो वायरल होने के बाद, भाजपा नेताओं और अन्य लोगों ने राज्य सरकार द्वारा लेखिका को दशहरा उत्सव के उद्घाटन के लिए आमंत्रित करने के फैसले पर आपत्ति जतायी है। वीडियो में, मुश्ताक को कथित तौर पर कन्नड भाषा को ‘देवी भुवनेश्वरी’ के रूप में पूजा करने पर आपत्ति जताते और यह कहते सुना जा सकता है कि यह उनके जैसे लोगों (अल्पसंख्यकों) के लिए बहिष्कारपूर्ण है।

मैसूरु दशहरा के उद्घाटन के लिए मुश्ताक को सरकार द्वारा आमंत्रित करने पर अपनी आपत्ति व्यक्त करते हुए, अशोक ने मांग की कि वह अपने बयान के लिए माफी मांगें और पहले देवी चामुंडेश्वरी के प्रति श्रद्धा व्यक्त करें। उन्होंने कहा, इसके बिना उन्हें चामुंडी पहाड़ी पर आने का नैतिक अधिकार नहीं होगा। मुश्ताक के कथित विवादास्पद बयान का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, अगर वह भुवनेश्वरी ताई को स्वीकार नहीं कर सकतीं, जिन्हें कन्नड़ ताई माना जाता है - हमारी भाषा कन्नड़ की देवी, तो वह चामुंडेश्वरी ताई को कैसे स्वीकार करेंगी, जो एक हिंदू देवी हैं? उन्होंने कहा कि जब कवि के. एस. निसार अहमद, जो एक मुस्लिम हैं, को दशहरा के उद्घाटन के लिए आमंत्रित किया गया था, तब कोई विरोध नहीं हुआ था। अशोक ने कहा कि अहमद ने किसी धर्म का विरोध नहीं किया और वह ऐसे व्यक्ति थे जो सभी धर्मों और कन्नड़ भाषा का सम्मान करते थे।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा और मैसूरु के सांसद यदुवीर कृष्णदत्त चामराजा वाडियार सहित कई भाजपा नेताओं ने भी मुश्ताक से दशहरा उद्घाटन के लिए सहमति देने से पहले देवी चामुंडेश्वरी के प्रति अपनी श्रद्धा स्पष्ट करने को कहा है। हालांकि, मुश्ताक ने कहा है कि उनके बयान को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया है और उनके पुराने भाषण के चुनिंदा हिस्सों को सोशल मीडिया पर पोस्ट किया गया है।

प्रदर्शन

कर्नाटक भाजपा महिला मोर्चा की सदस्यों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां पर टिप्पणी के लिए कांग्रेस पार्टी के नेताओं के खिलाफ रविवार को बेंगलूरु के फ्रीडम पार्क में विरोध प्रदर्शन किया।

धर्मस्थल मामले की एनआईए से जांच कराने की जरूरत नहीं, एसआईटी को दी गई है आजादी : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने रविवार को कहा कि धर्मस्थल में बीते दो दशक के दौरान दुष्कर्म एवं हत्या किए जाने और शवों को सामूहिक रूप से दफनाने से संबंधित दावों की राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) से जांच कराने की जरूरत नहीं है, और एसआईटी को मामले की तफ्तीश पूरी करके रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए पूरी आजादी दी गयी है। मुख्यमंत्री ने यहां पत्रकारों से बात करते हुए यह भी कहा कि धर्मस्थल से संबंधित संदेह दूर करने और जांच के लिए ही विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया है। वह विपक्षी जनता दल (सेक्युलर) और भाजपा की ओर से रविवार एवं सोमवार को धर्मस्थल में अलग-अलग रैलियां निकाले जाने के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे। सिद्दरामय्या ने कहा, वे (विपक्ष) हर चीज में राजनीति कर रहे हैं। अगर वे (धर्मस्थल) जाना चाहते हैं तो जाएं। धर्मस्थल के धर्माधिकारी वीरेंद्र हेगड़े ने एसआईटी जांच का स्वागत किया है। सच्चाई सामने आनी ही चाहिए। सच्चाई सामने लाने के लिए ही एसआईटी का गठन किया गया है। सच्चाई सामने आनी चाहिए; अन्यथा, संदेह की तलवार लटकती रहेगी। उन्होंने कहा, शिकायतकर्ता मजिस्ट्रेट के सामने पेश हुआ और बयान दर्ज कराया। विभिन्न संगठनों की ओर से एसआईटी गठित करने की मांग की गई थी। सरकार चाहती है कि सच्चाई सामने आए।

उन्होंने कहा, भाजपा ने भी एसआईटी जांच का स्वागत किया था, अब वे वोट के लिए राजनीति कर रहे हैं। विवाद तब शुरू हुआ जब एक शिकायतकर्ता ने दावा किया कि पिछले दो दशकों के दौरान धर्मस्थल में कई शवों को दफनाया गया। शिकायतकर्ता के अनुसार इनमें उन महिलाओं के शव भी शामिल थे, जिनका कथित तौर पर यौन उत्पीड़न किया गया था। हालांकि बाद में सी एन चिनैय्या के तौर पर पहचाने गए व्यक्ति को झूठी बयानबाजी करने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया।

राष्ट्रपति मुर्मू आज से कर्नाटक और तमिलनाडु के तीन दिवसीय दौरे पर जाएंगी

बेंगलूरु/नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सोमवार को कर्नाटक और तमिलनाडु के तीन दिवसीय दौरे पर जाएंगी। उनके कार्यालय ने रविवार को यह जानकारी दी। राष्ट्रपति कार्यालय के मुताबिक, एक सितंबर को राष्ट्रपति मुर्मू कर्नाटक के मैसूरु स्थित अखिल भारतीय वाणी एवं श्रवण संस्थान के हीरक जयंती समारोह में शामिल होंगी। इसमें कहा गया कि राष्ट्रपति मुर्मू दो सितंबर को तमिलनाडु के चेन्नई में सिटी यूनियन बैंक के 120वें स्थापना दिवस समारोह में शामिल होंगी।

राष्ट्रपति कार्यालय के मुताबिक, तीन सितंबर को राष्ट्रपति मुर्मू तिरुवरुर स्थित तमिलनाडु केंद्रीय विश्वविद्यालय के 10वें दीक्षांत समारोह में शामिल होंगी।

धर्मस्थल मामले में ‘साजिश’ का पर्दाफाश करने के लिए एनआईए से जांच कराई जाए : जद (एस)

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हासन। जनता दल (सेक्युलर) ने धर्मस्थल में दुष्कर्म की घटनाओं, हत्याओं और शवों को दफनाने के आरोपों की जांच राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) से कराने की रविवार को मांग की, ताकि इस पवित्र स्थल के खिलाफ कथित षड्यंत्र और बदनाम करने के अभियान चलाने तथा विदेशों से मिलने वाली संदिग्ध आर्थिक मदद के पीछे के लोगों का पता लगाया जा सके। जद (एस) की युवा शाखा के अध्यक्ष निखिल कुमारस्वामी के नेतृत्व में रविवार को धर्मस्थल में ‘धर्मस्थल सत्य यात्रा’ निकाली जा रही है।

निखिल कुमारस्वामी ने धर्मस्थल रवाना होने से पहले संवाददाताओं से कहा, धर्मस्थल मामले में राजनीति करने का कोई सवाल ही नहीं है। हमें सभी को धर्म के लिए खड़ा होना चाहिए और सत्य की जीत होनी चाहिए। कुछ असामाजिक तत्वों ने साजिश रची है और गलत सूचना फैलाने के इस प्रकरण के पीछे हैं। धर्मस्थल के भक्तों के रूप में, हम चाहते हैं कि सच्चाई लोगों के सामने आए। उन्होंने कहा कि जांच को तार्किक निष्कर्ष पर पहुंचाने की जिम्मेदारी एनआईए को दी जानी चाहिए।

निखिल ने कहा, लोगों में यह संदेह है कि कुछ अंतरराष्ट्रीय मीडिया संस्थान और यूट्यूब चैनल्स को बहुत ही संगठित और योजनाबद्ध तरीके से इस साजिश के तहत (धर्मस्थल के खिलाफ) गलत सामग्री बनाने के लिए प्रोत्साहित किया गया है। इस साजिश के लिए विदेशों से आर्थिक मदद संभव है, हम जद (एस) की ओर से और धर्मस्थल के भक्तों के रूप में मांग करते हैं कि एनआईए इस मामले की जांच करे।

उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार द्वारा विधानसभा में धर्मस्थल के खिलाफ साजिश का आरोप लगाए जाने का जिक्र करते हुए, निखिल कुमारस्वामी ने कहा कि उनके पिता एवं केंद्रीय मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी आने वाले दिनों में मामले की एनआईए जांच के बारे में चर्चा करने के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मिलने का समय मांगेंगे।

उन्होंने कहा, कुमारस्वामी दिल्ली में मीडिया को संबोधित करेंगे और विश्वसनीय सूत्रों से प्राप्त कुछ जानकारी साझा करेंगे, जिसमें मुख्यमंत्री सिद्धरमैय्या के करीबी लोगों की भूमिका के बारे में बताया जाएगा, जो सरकार द्वारा इस मामले की जांच के लिए एसआईटी बनाने के पीछे हैं। विवाद तब शुरू हुआ जब एक शिकायतकर्ता, जिसकी बाद में पहचान सी. एन. चिन्नैया के रूप में हुई और जिसे झूठी गवाही के आरोप में गिरफ्तार किया गया, ने दावा किया कि पिछले दो दशकों में धर्मस्थल में कई शवों को दफनाया गया, जिनमें उन महिलाओं के शव भी थे जिनके शरीर पर यौन उत्पीड़न के निशान मिले थे।

बेंगलूरु गणेश उत्सव में मधुर प्रस्तुतियों से श्रोता हुए मंत्रमुग्ध

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। बेंगलूरु गणेश उत्सव का चौथा दिन रविवार को भावपूर्ण भक्ति और सांस्कृतिक उत्साह के साथ मनाया गया। इस दौरान प्रसिद्ध पार्श्व गायिका सुनीता उपद्रस्था ने अपनी मधुर प्रस्तुतियों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

’महा गणपतिम मनसा स्मरामि’ से शुरुआत करते हुए ’नारायणथे नमो नमो’ (अन्नमय्या कीर्तन), और अन्य कालजयी भक्ति रचनाएं पेश की गईं। कर्नाटक भजन भाग्यदा लक्ष्मी बारम्मा के साथ समापन हुआ।

सुनीता के साथ मंजू ड्रम्स कलेक्टिव था, जिसमें वेंकी डीसी (मृदंगम), अमित राज (तबला), वेणुगोपाल वी और संगीत थॉमस (कीबोर्ड), ब्रुथवा कालेब (बास गिटार), भरत अथरेया (बांसुरी), धनु कुमार (रिदम पैड) और विजी (ध्वनि) शामिल थे। कार्यक्रम की शुरुआत 200 सदस्यों वाले बीट गुरु समूह के साथ हुई। इसके बाद अयाना डांस कंपनी के प्रदर्शन ने कला और भक्ति का संगम प्रस्तुत किया। बता दें कि श्री विद्यारण्य युवक संघ द्वारा आयोजित बेंगलूरु गणेश उत्सव संगीत, नृत्य और भक्ति के मिश्रण के साथ शहर की सांस्कृतिक धड़कन बना हुआ है। आने वाले दिनों में क्रेजी स्टार रविचंद्रन, विजय प्रकाश, रघु दीक्षित, विजय येसुदास, प्रवीण गोडखिंडी और पंडित वेंकटेश कुमार जैसे अन्य कलाकारों द्वारा शानदार प्रस्तुतियां दी जाएंगी।

डीके शिवकुमार का एक पैर भाजपा में : विधायक यतनाल

कलबुर्गी। कर्नाटक के बीजापुर से विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल ने रविवार को दावा किया कि उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार का एक पैर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में है। यतनाल ने शिवकुमार के विधानसभा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रार्थना गीत को गाने को ‘नाटक’ करार दिया।

अनुशासनहीनता के आरोप में भाजपा से निष्कासित यतनाल ने दावा किया कि दिल्ली में शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनाने के लिए चर्चा हुई थी, बशर्ते वह 60-70 कांग्रेस विधायकों के साथ आएं, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ, क्योंकि केंद्र में सत्तारूढ़ पार्टी के नेतृत्व को रिपोर्ट मिली कि उनके पास विधायकों का समर्थन नहीं है।

शिवकुमार ने यतनाल के दावों पर प्रतिक्रिया देने से इनकार कर दिया। बेंगलूरु में संवाददाताओं से बातचीत में उन्होंने कहा, मैं कूड़े या गोबर पर पत्थर नहीं फेंकना चाहता। यतनाल ने कहा, डीके शिवकुमार नाटक कर रहे हैं (आरएसएस का प्रार्थना गीत गाकर)। उन्होंने अपना एक पैर भाजपा में रखा है। उन्होंने भाजपा के साथ एक दौर की चर्चा की है। चूंकि, विधायक साथ नहीं हैं, इसलिए उसने (भाजपा ने) योजना छोड़ दी।

दपरे के बेंगलूरु मंडल खेल संघ ने राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया

बेंगलूरु। यहां दक्षिण पश्चिम रेलवे (दपरे) के बेंगलूरु मंडल खेल संघ (बीडीएसए) ने रविवार को सुबह कंथीरवा स्टेडियम में एक उत्साहपूर्ण दौड़ के साथ राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया। बेंगलूरु मंडल के मंडल रेल प्रबंधक और बीडीएसए के अध्यक्ष आशुतोष कुमार सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में अधिकारियों और उनके परिवारों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। 50 से अधिक प्रतिभागियों ने 5 किमी, 10 किमी और 15 किमी दौड़ श्रेणियों में भाग लिया, जिससे यह समारोह फिटनेस और खेल भावना का एक यादगार प्रदर्शन बन गया।

दीया कुमारी ने भारत-पाक सीमा पर जवानों का बढ़ाया हौसला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जैसलमेर। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने रविवार को जैसलमेर जिले में तनोट माता मंदिर में दर्शन कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि एवं देश की सुरक्षा की मंगलकामना की। श्रीमती दीया कुमारी ने मंदिर परिसर में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मन की बात कार्यक्रम भी सुना। तनोट माता मंदिर के ऐतिहासिक महत्व को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि यह धाम देश की आस्था और वीरता का प्रतीक है।

गौरतलब है कि वर्ष 1965 और 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्धों के दौरान यहां गिरे कई गोले माता के चमत्कार से फटे नहीं थे। मंदिर दर्शन के बाद उपमुख्यमंत्री बीएसएफ के जवानों से संवाद किया। इस दौरान जवानों ने उन्हें सेना की कैप पहनाकर सम्मानित किया। उन्होंने जवानों के साहस और पराक्रम को नमन करते हुए कहा कि पूरा देश उनकी वीरता पर गर्व करता है। इसके बाद उपमुख्यमंत्री तनोट विक्ट्री पिलर पर पहुंचीं और शहीद जवानों को पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। यात्रा के दौरान वह बबलियां चौकी भी गईं जहां उन्होंने सीमा पर तैनात जवानों से बातचीत की और उनके अनुभव सुने। उन्होंने जवानों के जज़्बे और समर्पण को सलाम करते हुए कहा कि उनकी बहादुरी पूरे देश के लिए प्रेरणा है। इस अवसर पर जैसलमेर विधायक छोटू सिंह भाटी तथा अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी और बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे।

संविधान का रक्षक होने का दिखावा करने वाले भूल जाते हैं, संवैधानिक भाषा का उपयोग करना : शेखावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जैसलमेर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा है कि जो लोग स्वयं को संविधान का रक्षक बताने का दावा करते हैं, वे अक्सर यह भूल जाते हैं कि संविधान की भाषा का प्रयोग किस प्रकार करना चाहिए। शेखावत रविवार को जैसलमेर सर्किट हाउस में मीडिया से बातचीत में कहा कि राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्रों में भाषा का प्रयोग मर्यादा, शिष्टता के साथ होना चाहिए। उन्होंने दो टूक कहा कि मां चाहे किसी की भी हो, सबके लिए आदरणीय होनी चाहिए।

राहुल गांधी द्वारा असंवैधानिक भाषा का उपयोग करने से न केवल लाखों लोग आहत हुए हैं बल्कि इससे उनका चारित्रिक विकास किस दृष्टिकोण से हुआ, यह भी स्पष्ट हो गया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि वह नामदार हैं और हम कामदार हैं। हम काम करने वाले लोग हैं, वह नाम के साथ राजनीति करने वाले लोग हैं। शेखावत ने कहा राहुल गांधी को शायद लगता है कि वह सारी सीमाओं से, सारे बंधनों से, सारे कानून से, सारी व्यवस्थाओं और सारी संवैधानिक मर्यादाओं से परे हैं लेकिन भगवान उनको सद्बुद्धि देगा और हम सब मिलकर लगातार देश को विकसित करने की दिशा में जो प्रयास कर रहे हैं, उस पर चलते रहेंगे। यही हमारी अपेक्षा और संकल्प है।

वोटों को लेकर कांग्रेस द्वारा चुनाव आयोग पर लगाए गए आरोपों को लेकर शेखावत ने कहा कि पराजय का ठीकरा दूसरों पर फोड़ने की कांग्रेस की पुरानी आदत है। हर बीतने वाले चुनाव के बाद कांग्रेस कभी ईवीएम के सिर ठीकरा फोड़ती है तो कभी चुनाव आयोग जैसे संवैधानिक व्यवस्था पर सवाल खड़े करती है।

उन्होंने कहा कि इसी तरह संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने का एक-एक रास्ता कांग्रेस पार्टी और इंडी गठबंधन के नेताओं ने अपनाया है, जो आने वाले समय में देश के लिए दुर्भाग्य का कारक बनेगा। उन्होंने झेलम, चिनाब और सिंधु नदी का ज्यादा पानी पाकिस्तान को दिए जाने को लेकर कांग्रेस की तत्कालीन सरकार का जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि कांग्रेस की तत्कालीन सरकार ने इन नदियों का 80 प्रतिशत पानी पाकिस्तान को देकर किसानों के साथ पाप किया।

उन्होंने कहा कि 1960 से 65 सालों तक इस पाप का जो घाव गहरा होता जा रहा था, इस पर थोड़े ही दिनों में मरहम लगाकर ठीक कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि ऐसी व्यवस्था होगी, जिसका लाभ राजस्थान और पश्चिम राजस्थान को बड़े पैमाने पर मिलेगा। अमेरिका की ट्रंप सरकार द्वारा भारत पर लगाए गए अतिरिक्त टैरिफ के सवाल पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मोदी सरकार नए भारत की सरकार है, जो भारत के हितों के लिए किसी के दबाव के आगे झुकने वाली नहीं है।

उन्होंने कहा कि भारत के किसानों, मछुवारों, कुटीर उद्योगों के हितों के संरक्षण के लिए हम पूरे प्राण और प्रण के साथ अडिग रहेंगे। हम अपनी क्वालिटी को इंप्रूव करेंगे और लागत को कम करेंगे, जिससे भारत के सामने बाजार में नए अवसर सामने आएंगे।

गजेंद्र सिंह शेखावत ने लोकदेवता बाबा रामदेव की समाधि पर किए दर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर, 31 अगस्त। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत शनिवार को जोधपुर से सड़क मार्ग द्वारा देर रात्रि रामदेवरा पहुंचे। उन्होंने लाखों-लाखों श्रद्धालुओं के आराध्य लोकदेवता बाबा रामदेव जी की समाधि पर विधिवत पूजा-अर्चना कर धोक लगाई एवं देश व प्रदेश में अमन-चौन, सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इस दौरान उनके साथ उनकी धर्मपत्नी श्रीमती नौनद कंवर सहित परिवार के सभी सदस्य मौजूद रहे। दर्शन पश्चात मंदिर प्रबंध समिति की ओर से केंद्रीय मंत्री शेखावत एवं उनके परिजनों का पारंपरिक रूप से स्वागत एवं बहुमान किया गया।

समाधि दर्शन के पश्चात शेखावत ने श्रद्धालुओं से भी बातचीत की और बाबा रामदेव जी की भक्ति एवं मेले की व्यवस्था की सराहना की। जिला प्रशासन एवं मंदिर समिति द्वारा की गई व्यवस्थाओं पर उन्होंने संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि यह लोक आस्था का अद्भुत संगम है, जो सामाजिक समरसता, श्रद्धा और सेवा का उदाहरण प्रस्तुत करता है।

अमेरिकी शुल्क से पूरे राजस्थान के हस्तशिल्प निर्यातक परेशान : गहलोत

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने रविवार को कहा कि अमेरिका द्वारा भारतीय उत्पादों पर लगाए गए शुल्कों से राज्य के हस्तशिल्प उद्योग से जुड़े निर्यातक परेशान हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा कि हस्तशिल्प के प्रमुख केंद्र जयपुर और जोधपुर इस स्थिति का सबसे ज्यादा खामियाजा भुगत रहे हैं। गहलोत ने चेतावनी दी कि निर्यात में कमी से राज्य की अर्थव्यवस्था पर बुरा असर पड़ सकता है और इन उद्योगों में कार्यरत कारीगरों और श्रमिकों की आजीविका खतरे में पड़ सकती है। उन्होंने स्थिति को अप्रिय बताया और केंद्र से शुल्कों से उत्पन्न चुनौतियों को कम करने के लिए त्वरित और निर्णायक कदम उठाने का आग्रह किया।

पूर्व मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर लिखा ''केंद्र सरकार को इस चुनौती से निपटने के लिए जल्द से जल्द ठोस कदम उठाने होंगे तथा निर्यातकों को भरोसा दिलाना होगा कि सरकार उनके साथ हर स्थिति में खड़ी है ताकि उनका मनोबल प्रभावित न हो एवं सभी की आजीविका चलती रहे।'' गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार को अमेरिकी शुल्क से प्रभावित व्यापारियों के लिए विशेष पैकेज भी तैयार करना चाहिए।

वोकल फॉर लोकल के लिए हों प्रेरित, स्थानीय उत्पादों की करें खरीद : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारा देश आत्मनिर्भर बन रहा है। उन्होंने आमजन से आह्वान किया कि वे वोकल फॉर लोकल को प्रोत्साहन देते हुए आने वाले त्यौहार के सीजन में स्वदेशी उत्पादों को खरीदें। इससे स्थानीय कारीगरों को अधिक से अधिक रोजगार मिलेगा और हमारे लघु एवं कुटीर उद्योग सशक्त होंगे। शर्मा रविवार को दूदू में विकास कार्यों के लोकार्पण एवं शिलान्यास समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज मन की बात कार्यक्रम के दौरान कहा कि समाज के अंतिम पायदान के व्यक्ति के उत्थान से ही देश का विकास संभव है। उनके कल्याण से ही देश और प्रदेश की प्रगति सुनिश्चित होगी। उन्होंने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2014 के बाद देश में अभूतपूर्व परिवर्तन आया है। विकास एवं गरीब कल्याण की योजनाओं की प्रभावी शुरूआत की गई। साथ ही, उनके मार्गदर्शन में आतंकवाद-नक्सलवाद के खात्मे के साथ ही दुनिया में भारत का गौरव बढ़ा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में वर्ष 2047 तक विकसित भारत और विकसित राजस्थान का रोडमैप भी बनाया गया है। हम निरंतर इस दिशा में काम कर रहे हैं। राज्य सरकार संकल्प पत्र में किए हर वादे को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। शर्मा ने आह्वान किया कि राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रदेश के हर जरूरतमंद तक पहुंचाने में आमजन सक्रिय भूमिका निभाएं।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जल आपूर्ति और उपलब्धता के क्षेत्र में प्राथमिकता से कार्य कर रही है। रामजल सेतु लिंक परियोजना, यमुना जल समझौता, इंदिरा गांधी नहर, गंगनहर, माही बांध जैसी परियोजनाओं के माध्यम से जल की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। साथ ही, 2027 तक प्रदेश के किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने पिछले 20 महीने में जो विकास कार्य करवाए हैं, उतने पूर्ववर्ती सरकार पांच साल में भी नहीं करवा पाई।

मुख्यमंत्री ने हरियालो राजस्थान के अंतर्गत पिछले वर्ष लगभग 7.5 करोड़ पौधे लगाए थे। इस वर्ष हमने 10 करोड़ का लक्ष्य रखा था, लेकिन 11 करोड़ से अधिक पौधारोपण का कार्य हुआ है। 5 साल में 50 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य है। उन्होंने आमजन से एक पेड़ मां के नाम लगाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसानों के हित में लगातार महत्वपूर्ण निर्णय ले रही है। किसानों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य में निरंतर बढ़ोतरी की जा रही है।

पिछले वर्ष किसानों को गेहूं के एमएसपी पर 125 रूपए प्रति क्विंटल का बोनस दिया गया था। अब 150 रूपए प्रति क्विंटल का अतिरिक्त बोनस भी दिया जा रहा है। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार सभी क्षेत्रों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित कर रही है। दूदू के लिए 271 करोड़ रुपये की लागत से विश्व बैंक द्वारा ईपीसी मोड अंतर्गत स्वीकृत दूदू-सांभर-भाटीपुरा सड़क का निर्माण करवाया जा रहा है। साथ ही, 90 करोड़ रुपये से रसाईनी-मौजमाबाद-झाग-रामपुरा ऊँटी-बगरू सड़क निर्माण करवाया जा रहा है। हमारी सरकार ने दौसा से कुचामन मार्ग जो दूदू और सांभर से होकर गुजरता है, उसके सुदृढ़ीकरण के लिए 32 करोड़ 66 लाख रुपये आवंटित किए हैं। उन्होंने ग्राम साखनू में बाईपास निर्माण, 40 करोड़ रुपये से छापरवाड़ा बांध की नहरों का नवीनीकरण, दूदू में जिला अस्पताल के भवन का निर्माण और मोहनपुरा-फागी में औद्योगिक क्षेत्र आदि कार्यों का जिक्र करते हुए कहा कि ये दूदू के विकास में नया आयाम स्थापित करेंगे।

उपमुख्यमंत्री डॉ प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार ने पिछले 20 महीनों में दूदू क्षेत्र को विकास की कई सौग़ातें दी है। आज इस अवसर पर स्वास्थ्य, शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, आधारभूत संरचना से जुड़े लगभग 50 करोड़ की लागत के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास हुआ है, जिससे इस क्षेत्र के विकास को नई दिशा मिलेगी।

चिकित्सा से जुड़ा सेवा कार्य ही ईश्वर की आराधना : कुमावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के मंत्री जोराराम कुमावत शनिवार को लोकदेवता बाबा रामदेव जी की पावन नगरी रामदेवरा पहुंचे । उन्होंने मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं जनकल्याण की कामना की। इस दौरान उन्होंने आस्था के प्रतीक राम सरोवर कुंड के भी दर्शन किए। इस दौरान मंदिर समिति कार्यालय में बाबा वंशज गादीपति भोमसिंह तंवर ने पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के मंत्री जोराराम कुमावत को साफा, माला एवं दुपट्टा पहनाकर मंदिर समिति की ओर से स्वागत किया गया। इस मौके पर उपखण्ड अधिकारी एवं मेला अधिकारी रामदेवरा लाखाराम चौधरी पूर्व प्रधान चुतराराम प्रजापत, पाली प्रधान पुखराज, समाज सेवी नारायणसिंह तवंर, हुकमाराम कुमावत के साथ अन्य मेला प्रशासनिक अधिकारी और रामदेव मंदिर समिति के विभिन्न पदाधिकारी गण भी उपस्थित रहे।

देवस्थान मंत्री कुमावत ने भाद्रपद सप्तमी के अवसर पर रामदेवरा में चल रहे निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर नेत्र कुंभ का अवलोकन किया। उन्होंने सक्षम संस्था, जयपुर द्वारा आयोजित इस भव्य आयोजन की सराहना करते हुए आयोजकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि पर-पीड़ा निवारण के लिए किए जाने वाले कार्य जन-जन तक पहुंचते हैं, तभी उनकी सार्थकता होती है।

देवस्थान मंत्री ने संस्था द्वारा निरूशुल्क नेत्र चिकित्सा, दवाओं, चश्मों, लेंस एवं अन्य उपकरणों के वितरण को अनुकरणीय बताया। उन्होंने मरीजों से संवाद करते हुए उनके हाल-चाल भी जाने। उन्होंने सरकार के साथ-साथ स्वयंसेवी संस्थाओं, निजी क्षेत्र इत्यादि को भी चिकित्सा सेवाओं में सहयोग देने एवं अधिकाधिक लोगों को लाभान्वित किए जाने पर जोर दिया। कुमावत ने कहा कि परोपकार ही सबसे बड़ा धर्म है। चिकित्सा से जुड़ा सेवा कार्य ही ईश्वर की आराधना है।

देवस्थान मंत्री कुमावत ने कहा कि लोक त्यौहार, मेले और उत्सव भारत एवं विशेषकर राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, जो परंपराओं, धार्मिक विश्वासों और सामुदायिक जीवन को दर्शाते हैं। ये आयोजन न केवल स्थानीय रीति-रिवाजों को संरक्षित करते हैं, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था, पर्यटन को बढ़ावा देते हैं और सामाजिक एकजुटता को भी मजबूत करते हैं।

गणेशोत्सव पर्व मात्र नहीं है, यह सामाजिक एकजुटता की भारतीय संस्कृति : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने रविवार को कांस्टीट्यूशनल क्लब में आयोजित गणेशोत्सव कार्यक्रम में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने गणेश मंदिर के पुजारियो सहित विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट परिणाम देने वाले विद्यार्थियों और प्रतिभाओं को सम्मानित किया। राज्यपाल बागड़े ने कहा कि गणेश उत्सव पर्व मात्र नहीं है, यह सामाजिक एकजुटता और परस्पर सद्भाव की भारतीय संस्कृति का प्रतीक है। उन्होंने गणेश उत्सव समारोह मनाये जाने की परंपरा के इतिहास का उल्लेख करते हुए कहा कि लोकमान्य तिलक ने महाराष्ट्र में इस तरह के आयोजनों की शुरुआत इसलिए की थी कि समाज एकजुट हो और आजादी आंदोलन के लिए जागरूक हों।

उन्होंने गणेश को विघ्नहर्ता बताते हुए कहा कि वह जीवन से जुड़े सभी संकटों को दूर करते हैं। उन्होंने प्रतिभा सम्मान समारोह को अनुकरणीय बताते हुए कहा कि इससे दूसरों को भी प्रेरणा मिलती है।इससे पहले राज्यपाल बागड़े ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रस्तुत ष्मन की बातष कार्यक्रम को सुना। उन्होंने कहा कि मन की बात जन-जन से जुड़ी हुई भारत की बात है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी द्वारा मन की बात के अंतर्गत देशभर के प्रांतों की संस्कृति, लोगों और विभिन्न क्षेत्रों में लीक से हटकर कार्य करने वालों की कहानियों के आलोक में इसे प्रस्तुत किए जाने को महत्वपूर्ण और ज्ञानवर्धक बताया।

बिजली गिरने से किशोरी की मौत

भरतपुर। राजस्थान में भरतपुर सम्भाग में शनिवार रात हुई मूसलाधार बारिश के दौरान बिजली गिरने की दो घटनाओं में एक किशोरी की मौत हो गई और 12 अन्य लोग घायल हो गये। पुलिस सूत्रों ने रविवार को बताया कि सवाई माधोपुर जिले के बामनवास उपखंड क्षेत्र के लाड़पुरा गांव में रात में घर में परिवार के लोग टीवी देख रहे थे कि बारिश के दौरान बिजली गिर गयी। इससे 14 वर्षीया किशोरी क्रांति खारवाल की मौके पर ही मौत हो गई जबकि परिवार के छह बच्चों सहित नौ लोग गंभीर रूप से घायल हो गये। पांच घायलों को बामनवास के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया।

खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स की मेजबानी से राजस्थान की प्रतिभाओं को मिलेगी नई पहचान : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात' कार्यक्रम की 125वीं कड़ी में देशवासियों को संबोधित किया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री निवास पर 'मन की बात' कार्यक्रम को सुना। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में देशवासियों से वोकल फॉर लोकल को प्रोत्साहन देते हुए आत्मनिर्भर और विकसित भारत के लक्ष्य की ओर प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आने वाले त्योहारी सीजन में आमजन उपहार, पहनावे, सजावट और रोशनी में स्वदेशी को गर्व से अपनाएं।उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया का ध्यान भारत की तरफ है। भारत में छिपी संभावनाओं पर दुनिया-भर की नजर है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारतीय संस्कृति की विश्व के सभी हिस्सों में प्रभाव बढ़ा है और रामायण और महाभारत के प्रति प्रेम और श्रद्धामें वृद्धि हुई है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि देश की एकता और विकास के लिए 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की भावना बहुत जरूरी है और खेल इसमें बड़ी भूमिका निभाते हैं। जो खेलता है, वहीं खिलता है। उन्होंने जम्मू-कश्मीर में युवाओं की खेलों के प्रति बढ़ती रूचि के बारे में जानकारी देते हुए पुलवामा स्टेडियम में पहली बार आयोजित हुए डे-नाइट क्रिकेट मैच और डल झील पर पहले खेलों इंडिया वाटर स्पोर्ट्स फेस्टिवल का जिक्र किया, जिनमें सैकड़ों युवाओं ने भाग लिया।

मोदी ने कहा कि सौर ऊर्जा से किसानों की जिंदगी बदल रही है। वही खेत, वही मेहनत, वही किसान, लेकिन मेहनत का फल कहीं ज्यादा मिल रहा है। किसानों की आय में वृद्धि हो रही है। उन्होंने बिहार की सोलर दीदी श्रीमती देवकी का जिक्र करते हुए कहा कि श्रीमती देवकी ने सोलर पंप की स्थापना की, जिसके माध्यम से 40 एकड़ से ज्यादा क्षेत्र में पानी पहुंचाया जा रहा है। जबकि पहले कुछ ही एकड़ में खेती हो पाती थी।उनकी मेहनत और दूरदर्शिता ने दिखा दिया है कि सौर ऊर्जा सिर्फ बिजली का साधन नहीं है, बल्कि ये गांव-गांव में नई रोशनी लाने वाली एक नई शक्ति भी है। उन्होंने सूरत में कार्यरत सिक्योरिटी गार्ड जितेन्द्र सिंह राठौड़ की अद्भुत पहल का जिक्र किया, जो हर देशभक्त के लिए प्रेरणादायी है।

ओडिशा के किसान वैश्विक बाजारों में मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रहे : प्रधान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

संबलपुर/भाषा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री एवं संबलपुर से लोकसभा सदस्य धर्मेंद्र प्रधान का मानना है कि नीलडुंगरी गांव में उगाए जाने वाले गेंदे के फूलों के लंदन के बाजारों तक पहुंचने से लेकर स्थानीय आमों का यूरोप में निर्यात होने तक, ओडिशा के किसान अब प्रौद्योगिकी और शिक्षा के माध्यम से वैश्विक बाजारों में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं।

प्रधान ने अपने निर्वाचन क्षेत्र में नुआखाई उत्सव के दौरान 'पीटीआई-भाषा' से बात करते हुए फसल उत्सव की सामुदायिक भावना और राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के जमीनी, लेकिन भविष्यवादी शिक्षा के दृष्टिकोण के बीच समानताओं का जिक्र किया। उन्होंने कहा, फसल कटने के बाद, हम पहला अनाज (धान) मां समलेश्वरी और भगवान जगन्नाथ को अर्पित करते हैं। पितृत्व, स्नेह और आध्यात्मिकता का यह उत्सव उस सुदृढ़ता का प्रतिनिधित्व करता है, जिसकी परिकल्पना एनईपी 2020 में की गई है। मंत्री ने हाल ही में जारी

वार्षिक शिक्षा स्थिति रिपोर्ट (एएसईआर), स्कूल मूल्यांकन और पीएआरएसी रिपोर्ट का हवाला देते हुए ओडिशा में बेहतर शिक्षण परिणामों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, एनईपी का प्रभाव समाज पर दिखने लगा है। संस्कृति और शिक्षा परस्पर जुड़े हुए हैं और देश के इस सांस्कृतिक रूप से समृद्ध हिस्से में नए शिक्षण परिणाम देखने को मिल रहे हैं। प्रधान ने कहा कि संबलपुर विश्वविद्यालय अब संबलपुरी भाषा, गीत, नृत्य, साहित्य और लोक कलाओं को पाठ्यक्रम में शामिल कर रहा है तथा प्रतिष्ठित 'रंगबती' एक सांस्कृतिक सेतु का काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि आदिवासी और ग्रामीण छात्रों पर केंद्रित इस कार्यक्रम में प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और समुदाय-आधारित शिक्षा पर जोर दिया गया है।

प्रधान ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की '10 दिन बस्ता रहित स्कूल' पहल के तहत, छात्र उद्योगों, बाजारों का दौरा करते हैं और अनुभवात्मक शिक्षा के लिए सामुदायिक नेताओं के साथ बातचीत करते हैं। उन्होंने कहा, यह सामाजिक जुड़ाव ही एनईपी 2020 की सिफारिश है और यह क्षेत्र इसका लाभ उठा रहा है तथा इसका पालन कर रहा है।

आईआईएम संबलपुर एक परिवर्तन उत्प्रेरक के रूप में उभरा है, जो सिंगापुर के सरकारी फिनटेक नेटवर्क (जीएफटीएन) और नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर (एनयूएस) के साथ साझेदारी करते हुए ग्रामीण छात्रों को प्रशिक्षण दे रहा है।

उत्तर प्रदेश में विमुक्त और घुमंतू जातियों के लिए गठित होगा विशेष बोर्ड: योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि प्रदेश सरकार घुमंतू जातियों के कल्याण के लिए एक विशेष बोर्ड का गठन करेगी।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि विमुक्त व घुमंतू जातियों के कल्याणार्थ आयोजित विमुक्त जाति दिवस समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक बड़ी घोषणा की। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार घुमंतू और विमुक्त जातियों के कल्याण के लिए एक विशेष बोर्ड का गठन करेगी। साथ ही इन जातियों के लोगों को कॉलोनी और मकान उपलब्ध कराने की योजना पर भी काम किया जाएगा। योगी ने विमुक्त जाति दिवस पर सभी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नट, बंजारा, बावरिया, सासी, कंजड़, कालबेलिया, सपेरा और जोगी जैसी जातियां देश की वह वीर जातियां हैं जिन्होंने विदेशी हमलों के समय योद्धा के रूप में संघर्ष किया। उन्होंने कहा कि इन जातियों ने कभी मुगलों के खिलाफ तो कभी अंग्रेजों के खिलाफ अदम्य साहस के साथ लड़ाई लड़ी। मुख्यमंत्री ने कहा कि अंग्रेजों ने इनके पराक्रम से भयभीत होकर वर्ष 1871 में अपराधी जनजाति अधिनियम लागू किया और इन जातियों को जन्म से ही अपराधी घोषित कर दिया। स्वतंत्रता के बाद भी 1952 तक यह कलंक इन पर लगा रहा। उन्होंने कहा कि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के प्रयासों से 31 अगस्त 1952 को इन जातियों को इससे मुक्ति मिली। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 'विमुक्त जाति दिवस' उस ऐतिहासिक क्षण की याद दिलाता है जब इन समुदायों को आजादी के मायने समझ आए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बीते 11 वर्षों में केंद्र और राज्य सरकार पूरी ईमानदारी से विमुक्त और घुमंतू जातियों के कल्याण के लिए कार्य कर रही है। प्रदेश में शिक्षा और आवास की दिशा में अनेक योजनाएं लागू की गई हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि नौ जनपदों में जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय संचालित हो रहे हैं, दो आवासीय आश्रम पद्धति विद्यालय प्रारंभ हो चुके हैं, जबकि 101 आवासीय विद्यालय पहले से चल रहे हैं। यहां छात्रों को रहने, खाने से लेकर यूनिफॉर्म तक की व्यवस्था सरकार कर रही है।

भोजपुरी अभिनेता पवन सिंह की पत्नी
ज्योति ने सोशल मीडिया पर अपने पति से उनसे बात करने की अपील की

बलिया/भाषा। भोजपुरी अभिनेता पवन सिंह की पत्नी ज्योति सिंह ने सोशल मीडिया पर अपने पति के लिए एक भावुक संदेश पोस्ट करते हुए अपील की है कि वह उनसे बात करें। ज्योति ने शुक्रवार को इंस्टाग्राम पर पवन सिंह के साथ अपनी एक पुरानी तस्वीर साझा की। उन्होंने पोस्ट में अभिनेता से पारिवारिक एवं राजनीतिक मुद्दों पर उनसे बात करने की अपील की। ज्योति ने लिखा, मैंने तो आपके साथ कदम से कदम मिलाकर चलकर एक पतिव्रता पत्नी का धर्म निभा दिया है। अब आपकी बारी है अपना धर्म निभाने की। उन्होंने कहा, आदरणीय पति पवन सिंह जी, मैं कई महीनों से आपसे कुछ पारिवारिक और राजनीतिक मुद्दों पर बात करने की कोशिश कर रही हूं, लेकिन आपने या आसपास के लोगों ने शायद मेरे फोन कॉल और संदेशों का जवाब देना उचित नहीं समझा। ज्योति ने पवन सिंह से मिलने की नाकाम कोशिशों का भी जिक्र किया, जिसमें लखनऊ जाना और छठ पूजा के दौरान काराकाट (बिहार) की यात्रा करना शामिल है। उन्होंने आरोप लगाया कि दोनों ही बार पवन सिंह ने उनसे मिलने से इनकार कर दिया।

संभल में हिंदू डरे हुए हैं: आचार्य प्रमोद कृष्णम

संभल (उप्र)/भाषा। कल्कि धाम के पीठाधीश्वर और कांग्रेस के पूर्व नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने संभल हिंसा पर हाल में आई न्यायिक आयोग की रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि संभल में हिंदू डरे हुए हैं।

कृष्णम ने शनिवार शाम पत्रकारों से बातचीत में न्यायिक रिपोर्ट का हवाला देते हुए दावा किया कि संभल में केवल 15 प्रतिशत आबादी हिंदू है। उन्होंने आशंका जताई कि अगर 2027 में सरकार बदल गई तो हिंदुओं की संख्या पांच प्रतिशत भी नहीं रह जाएगी। कृष्णम ने कहा, संभल में हिंदू डरे हुए हैं। यह घोर अधर्म और अत्याचार का स्थान है। हिंदुओं की आबादी 45% से घटकर 15% रह गई है। कल्कि धाम, संभल के निवासियों और विशेषकर हिंदुओं की रक्षा करना बहुत महत्वपूर्ण है। वरना, एक दिन ऐसा आएगा जब हिंदू कश्मीर की तरह संभल से भी पलायन कर जाएंगे। पीठाधीश्वर ने संभल के राजनीतिक नेतृत्व पर, विशेष रूप से पूर्व सांसद दिवंगत डॉ. शफीक-उर-रहमान बर्क पर इस माहौल को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। कृष्णम ने कहा, डॉ. शफीक-उर-रहमान बर्क ने 40 वर्षों तक यहां शासन किया। हिंदू और मुसलमान एक-दूसरे के खिलाफ खड़े हो गए हैं और संभल में हुए सभी सांप्रदायिक दंगों के लिए स्थानीय राजनीति ज़िम्मेदार है।

चीनी सामान के बहिष्कार के भाजपाई 'जुमले' का सच चिंताजनक : अखिलेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भारतीय बाजार में चीन निर्मित सामान की घुसपैठ पर चिंता जाहिर करते हुए रविवार को कहा कि चीनी सामान के बहिष्कार के भाजपाई 'जुमले' का सच चिंताजनक है।

यादव ने यहां एक बयान में कहा, चीन से आने वाले सामानों पर भारत की निर्भरता जिस तरह बढ़ती जा रही है, उसका बुरा असर हमारे उद्योगों, कारख़ानों और दुकानों के लगातार घटते जा रहे काम-कारोबार पर पड़ा है। इससे बेरोज़गारी भी बेतहाशा बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि तथाकथित आत्मनिर्भर, स्वदेशी और चीनी सामान के बहिष्कार के भाजपाई जुमलों का सच चिंताजनक है। यादव ने कहा, पहले चीन अपना माल भारत के बाज़ारों में भर देगा। इससे चीन पर निर्भरता इतनी बढ़ जाएगी कि उनकी हर गलत हरकत को नज़रअंदाज़ करने के लिए भाजपाई मजबूर हो जाएंगे। उन्होंने कहा, चीन हमारे उत्पादों और उद्योगों को धीरे-धीरे बंद करवाने के कगार तक ले जाएगा, फिर मनमाने दाम पर हर चीज़ सप्लाई करेगा। उसके बाद महंगाई-बेरोज़गारी बढ़ाएगा। जब महंगाई-बेरोज़गारी ज़्यादा होगी तो सरकार के ख़िलाफ़ आक्रोश भी कई गुना बढ़ जाएगा। सपा प्रमुख ने कहा कि दूसरों के सहारे पर चल रही बिना बहुमत की भाजपा की सरकार और भी कमज़ोर होकर लड़खड़ा जाएगी तथा ख़ुद ही लड़खड़ाती भाजपा की सरकार चीन के अतिक्रमण को तब कैसे चुनौती दे पायेगी? हमारी भूमि पर जब चीन अपना क़ब्ज़ा और बढ़ता जाएगा तो फिर भाजपा दोहराएगी कि न कोई घुसा है और न कोई घुस आया है। यादव ने तंज करते हुए कहा, अगर ये बात ड्रोन वालों को समझ नहीं आ रही है तो उप्र में विराजमान 'बुलडोज़र' वाले प्रवासी जी ही ये सच्चाई समझकर जवाब दे दें कि चीन द्वारा हमारी कितनी ज़मीन हड़प ली गई है, क्योंकि उनका मूल निवास स्थान भी तो चीनी क़ब्ज़े का शिकार हुआ है। उन्होंने कहा, भाजपाई बस देश का क्षेत्रफल बता दें। मतलब ये बता दें कि भाजपा सरकार के आने के समय देश की कुल भूमि जितनी थी, अब भी उतनी ही है या अब चीनी क़ब्ज़े के बाद घट गई है।

बिहार: मतदाता सूची से नाम हटाने के लिए 2 लाख से अधिक आवेदन दायर

नई दिल्ली/भाषा। बिहार में मतदाता सूची में नाम जोड़ने या हटाने की मांग को लेकर आवेदन दायर करने के लिए निर्धारित एक महीने की अवधि सोमवार को खत्म हो रही है। राज्य में अब तक दो लाख से अधिक लोगों ने मतदाता सूची से नाम हटाने और 33,000 से ज्यादा लोगों ने सूची में नाम जोड़ने के लिए आवेदन दायर किया है।

दो लाख से अधिक लोगों ने यह दावा करते हुए अपना नाम हटाने की मांग की है कि उन्हें गलत तरीके से मतदाता सूची में शामिल किया गया। बिहार में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद मसौदा मतदाता सूची एक अगस्त को प्रकाशित की गई थी। आम लोगों और राजनीतिक दलों को दावे और आपत्तियों के लिए एक सितंबर तक का समय दिया गया था। चुनाव कानून के तहत, लोगों और पार्टियों को उन नामों को शामिल किए जाने को चुनौती देने का अधिकार है, जिन्हें वे अपात्र मानते हैं।

निर्वाचन आयोग को 89 लाख शिकायतें दीं, हमारे बीएलओ की शिकायतें नहीं ली गई: कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। कांग्रेस ने रविवार को दावा किया कि उसने मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत निर्वाचन आयोग को 89 लाख शिकायतें दीं लेकिन पार्टी से संबंधित बूथ स्तरीय एजेंट (बीएलए) की शिकायतों को स्वीकार नहीं किया गया।

पार्टी के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने कहा कि गलतियों को सुधारने के लिए फिर से 'डोर टू डोर' सत्यापन की जरूरत है। उनका कहना था कांग्रेस ने जो आंकड़े दिए हैं उनकी जांच आयोग को करानी चाहिए। खेड़ा ने 'वोटर अधिकार यात्रा' के समापन से एक दिन पहले कहा, चुनाव आयोग अपने 'सोर्स' के माध्यम से खबरें प्लांट करवाता रहता है कि किसी राजनीतिक पार्टी से कोई शिकायत नहीं आ रही है। उन्होंने दावा किया कि सच्चाई यह है कि कांग्रेस पार्टी ने 89 लाख शिकायतें चुनाव आयोग को दी हैं लेकिन पार्टी के बीएलए की शिकायतें नहीं ली गईं। उनका कहना था, जब हमारे बीएलए शिकायत लेकर जाते हैं तो उनसे शिकायतें नहीं ली जातीं। उनसे कहा जाता है कि हम प्रभावित लोगों से शिकायतें लेंगे। खेड़ा ने सवाल किया कि ऐसे में राजनीतिक दलों और बीएलए की क्या भूमिका है? खेड़ा ने कहा, कल एक सितंबर है, चुनाव आयोग में एसएआईआर के तहत शिकायतें दर्ज करवाने की आखिरी तारीख है।

हॉकी एशिया कप : भारत ने जापान को 3-2 से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राजगीर (बिहार)/भाषा। कप्तान हरमनप्रीत सिंह के दो गोल की मदद से भारत ने रविवार को यहां पुरुष एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट के पूल ए के कड़े मुकाबले में जापान को 3-2 से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की और सुपर चार चरण के लिए क्वालीफाई किया। चीन के खिलाफ पहले मैच में हैट्रिक बनाने वाले हरमनप्रीत ने पांचवें और 46वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर दो गोल दागे जबकि भारत के लिए एक अन्य गोल मनदीप सिंह ने चौथे मिनट में किया।

जापान की ओर से दोनों गोल कोसेई कावाबे ने 38वें और 59वें मिनट में किए। भारत ने शुक्रवार को टूर्नामेंट में अपने अभियान की शुरुआत चीन पर 4-3 की जीत के साथ की थी। दो मैच में दो जीत के बाद भारत छह अंक के साथ पूल ए में शीर्ष पर है। जापान और चीन ने एक-एक जीत दर्ज की है। मेजबान टीम अपना अंतिम पूल मैच सोमवार को कजाखस्तान के खिलाफ खेलेगी जबकि जापान और चीन के बीच होने वाले मुकाबले से पूल ए से सुपर चार में जगह बनाने वाली दूसरी टीम का फैसला होगा।

भारत ने पिछले मैच की तुलना में काफी बेहतर प्रदर्शन किया। टीम में बेहतर समन्वय दिखा और उसे तेज हॉकी खेली जिसके कारण प्रतिद्वंद्वी सर्कल के अंदर लगातार हमले हुए। भारत को पहला मौका दूसरे मिनट में ही मिल गया जब हरमनप्रीत ने मनप्रीत को गेंद दी लेकिन सर्कल के ठीक अंदर से लिया गया उनका शॉट गोल से कुछ इंच दूर से बाहर निकल गया। भारत को बढ़त लेने में अधिक समय नहीं लगा और कुछ ही मिनट बाद मनदीप के शानदार मैदानी गोल से मेजबान टीम को बढ़त दिला दी।

भारत को पांचवें मिनट में लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर मिले और हरमनप्रीत ने दूसरे प्रयास में गोल करके भारत की बढ़त दोगुनी कर दी। पहला क्वार्टर खत्म होने से दो मिनट पहले जापान को लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर मिले लेकिन दोनों ही मौकों पर अपना 150वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेल रहे भारतीय गोलकीपर कृष्ण बहादुर पाठक ने बेहतरीन बचाव किया।

दूसरे क्वार्टर में जापान को लगातार चार पेनल्टी कॉर्नर मिले लेकिन भारतीय टीम ने सभी हमलों को नाकाम कर दिया। मध्यांतर से तीन मिनट पहले भारत को एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन टीम ने मौका गंवा दिया। मध्यांतर के बाद खेल शुरू होने के कुछ मिनट बाद सुखजीत ने मनदीप को सर्कल के अंदर पास दिया लेकिन उनके शॉट को जापान के गोलकीपर ने रोक दिया।

जापान ने 38वें मिनट में काइतो तनाका के पास पर कावाबे के गोल से भारत की बढ़त को कम किया लेकिन मेजबान टीम ने पेनल्टी कॉर्नर पर हरमनप्रीत के एक और गोल से फिर दो गोल की बढ़त हासिल कर ली। जापान को 49वें मिनट में एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन सूरज करकेरा ने दो शानदार बचाव किए। मैच खत्म होने से दो मिनट पहले कावाबे ने जरमनप्रीत की कमजोरी का फायदा उठाकर गोल किया लेकिन जापान को हार से नहीं बचा पाए। पूल ए के दूसरे मैच में चीन ने कजाखस्तान को 13-1 से हराकर अपनी पहली जीत दर्ज की और सुपर चार में जगह बनाने का दावा बरकरार रखा।

कजाखस्तान को मैच शुरू होने के 12 सेकेंड के अंदर ही पेनल्टी मिली और अगिमटे डुइसेंगजी ने सटीक फ्लिक से गोल करके अपनी टीम को बढ़त दिला दी। हालांकि इसके बाद चीन ने दबदबा बनाया। चीन के लिए डू शिहाओ (10वें, 53वें), किजुन चेन (13वें), चांगलियांग लिन (15वें, 39वें), बेनहाई चेन (29वें, 56वें), युआनलिन लू (31वें), जिशेंग गाओ (33वें) शियाओलोंग गुओ (41वें, 58वें) और युआनलिन लू (42वें, 44वें) ने गोल दागे।

इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता का विजेता अगले साल बेल्जियम और नीदरलैंड की संयुक्त मेजबानी में होने वाले विश्व कप के लिए सीधे क्वालीफाई करेगा।

विश्व चैंपियनशिप में भारत की अगुवाई करेंगे नीरज

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने 13 से 21 सितंबर तक टोक्यो में होने वाली विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा की अगुवाई में रविवार को 19 सदस्यीय टीम की घोषणा की।

देश के इतिहास में पहली बार भारत के चार पुरुष भाला फेंक खिलाड़ी इस चैंपियनशिप में हिस्सा लेंगे जिसमें दो बार के ओलंपिक पदक विजेता चोपड़ा के अलावा सचिन यादव, यशवीर सिंह और रोहित यादव भी शामिल हैं। पिछले टूर्नामेंट में भी चार भारतीयों ने क्वालीफाई किया था लेकिन रोहित चोट के कारण बाहर हो गए थे। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) की सीनियर चयन समिति की बैठक के बाद भारतीय टीम का चयन किया गया पांच महिलाएं भी शामिल हैं। भारत ने 2023 में हंगरी में हुए पिछले टूर्नामेंट में 28 एथलीट भेजे थे जिनमें सात रिले धावक शामिल थे। इस बार देश किसी भी रिले स्पर्धा के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाया।

चोपड़ा ने 2023 में बुडापेस्ट में स्वर्ण पदक जीता था और इस बार भी उनके अलावा किसी अन्य भारतीय के पास पदक जीतने का कोई वास्तविक मौका नहीं है। पुरुषों की 20 किमी पैदल चाल के एथलीट अक्षदीप सिंह का नाम विश्व रैंकिंग के माध्यम से क्वालीफाई करने के बावजूद शामिल नहीं है क्योंकि वह चिकित्सकीय रूप से फिट नहीं हैं।

राहुल गांधी ने वाराणसी की अदालत के निर्णय के खिलाफ उच्च न्यायालय का रुख किया

प्रयागराज/भाषा। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने वाराणसी के विशेष न्यायाधीश (सांसद-विधायक) अदालत के एक आदेश के खिलाफ इलाहाबाद उच्च न्यायालय का रुख किया है। अधीनस्थ अदालत ने राहुल गांधी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के अनुरोध से जुड़े एक मामले को एसीजेएम की अदालत के पास भेज दिया है। यह मामला अमेरिका में सिखों के संबंध में 2024 में दिए एक बयान से जुड़ा है। मामला न्यायमूर्ति समीर जैन की

पीठ के समक्ष सूचीबद्ध है जिस पर एक सितंबर, 2025 को सुनवाई की जाएगी। वाराणसी के नागेश्वर मिश्रा नाम के व्यक्ति ने वाराणसी के अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सांसद-विधायक) के समक्ष आवेदन किया था जिसने 28 नवंबर, 2024 को इस मामले में सुनवाई के बाद राहुल गांधी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने के अनुरोध वाले आवेदन को खारिज कर दिया था। अदालत ने कहा कि उक्त भाषण अमेरिका में दिया गया, इसलिए यह मामला उसके न्यायिक क्षेत्र से बाहर का है। अदालत द्वारा मामला खारिज किए जाने को राव ने पुनरीक्षण अदालत के समक्ष चुनौती दी जिसने उनकी पुनरीक्षण याचिका स्वीकार कर ली और एसीजेएम को इस मामले में नए सिरे से सुनवाई करने का निर्देश दिया।

आप टेस्ट क्रिकेट की खूबसूरती की याद दिलाते थे, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चेतेश्वर पुजारा से कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने वाले भारतीय बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा की सराहना करते हुए लिखा कि उनकी दृढ़ खेल शैली टेस्ट क्रिकेट की खूबसूरती की याद दिलाती थी। पुजारा ने पिछले रविवार को अपने 103 टेस्ट मैच के शानदार करियर का अंत करते हुए संन्यास की घोषणा की थी।

मोदी ने पुजारा को एक पत्र में लिखा, क्रिकेट के छोटे प्रारूपों के प्रभुत्व वाले युग में आप खेल के लंबे प्रारूप की खूबसूरती की याद दिलाते थे। आपके अडिग धैर्य और लंबे समय तक एकाग्रता के साथ बल्लेबाजी करने की क्षमता ने आपको भारतीय बल्लेबाजी क्रम का आधार बनाया। भारत के लिए

तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने वाले इस पूर्व बल्लेबाज ने पत्र की प्रति सोशल मीडिया पर पोस्ट की और प्रधानमंत्री को उनके गर्मजोशी भरे शब्दों के लिए धन्यवाद दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने 2018 और 2021 में ऑस्ट्रेलिया में लगातार दो शृंखला जीतने के दौरान पुजारा की अहम भूमिका का जिक्र करते हुए लिखा, आपका उत्कृष्ट क्रिकेट करियर उल्लेखनीय कौशल तथा दृढ़ संकल्प के क्षणों से भरा पड़ा है, विशेषकर विदेशों में चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में। उन्होंने कहा, उदाहरण के लिए प्रशंसक ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट मैच जैसे मौकों को हमेशा याद रखेंगे जब आपने ऑस्ट्रेलियाई धरती पर भारत के पहली बार ऐतिहासिक शृंखला जीतने की नींव रखी थी!'' मोदी ने लिखा, सबसे मजबूत गेंदबाजी आक्रमणों में से एक के सामने डटे रहकर आपने दिखाया कि टीम की जिम्मेदारी उठाने का क्या मतलब होता है। मोदी ने घरेलू क्रिकेट के प्रति पुजारा की प्रतिबद्धता की भी सराहना की। उन्होंने कहा, खेल के प्रति आपका जुनून इस बात से भी झलकता है कि एक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर होने के बावजूद आपने प्रथम श्रेणी क्रिकेट खेलना जरूरी समझा, चाहे वह सौराष्ट्र के लिए हो या विदेश में।

प्रधानमंत्री ने आगे कहा, सौराष्ट्र क्रिकेट के साथ आपका लंबा जुड़ाव और राजकोट को क्रिकेट के नक्शे पर लाने में आपका योगदान इस क्षेत्र के हर युवा के लिए अपार गर्व का स्रोत रहेगा।

पेरिस ओलंपिक में पदक जीत जाती, तो संन्यास ले लेती: लवलीना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लवलीना बोरगोहेन ने अपनी अकादमी पर ध्यान केंद्रित करने के लिए मुक्केबाजी से संन्यास लेने पर विचार किया था, लेकिन पेरिस ओलंपिक खेलों में पदक से चूकने के बाद उन्होंने यह फैसला टाल दिया। असम की यह मुक्केबाज आगामी विश्व चैंपियनशिप से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वापसी करने के लिए तैयार है और उनका लक्ष्य ओलंपिक में दूसरा पदक जीतना है। टोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता लवलीना पिछले साल अगस्त में पेरिस ओलंपिक खेलों के बाद से अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं से दूर हैं। रिंग से

दूर रहने के दौरान उन्होंने अपनी अकादमी स्थापित करने पर ध्यान केंद्रित किया, जिसका उद्घाटन जून में गुवाहाटी में हुआ। लवलीना ने पीटीआई से कहा, जब मैंने अपनी अकादमी शुरू करने के बारे में सोचा तो मैंने पेरिस (ओलंपिक) तक खेलने की योजना बनाई थी और उसके बाद मैं संन्यास ले सकती थी लेकिन पेरिस में नतीजा वैसा नहीं रहा जैसा मैंने सोचा था। अगर मैं वहां पदक जीत लेती तो खेल को अलविदा कह सकती थी। फ्रांस की राजधानी में 27 वर्षीय लवलीना लगातार दूसरा ओलंपिक पदक जीतने के बेहद करीब पहुंच गई थी, लेकिन महिला मिडिलवेट (75 किग्रा) वर्ग के क्वार्टर फाइनल में चीन की चैंपियन ली कियान से हार गई।

सुविचार

साहस का मतलब है कि आप अपने सपनों का पीछा करें, भले ही दुनिया आपके खिलाफ हो।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

प्रकृति, प्रगति और प्रतिभा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' कार्यक्रम की 125वीं कड़ी में जिन मुद्दों का जिक्र किया है, वे देशहित के साथ बहुत गहराई से जुड़े हुए हैं। देश में सद्भाव और एकता का माहौल हो, सबका जीवन सुरक्षित हो, किसी के जीवन में कोई अभाव न हो, इसके लिए जनता और सरकार को मिलकर काम करना होगा। हाल के वर्षों में मानसून में प्राकृतिक आपदाओं ने देश को बहुत नुकसान पहुंचाया है। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बादल फटने और बाढ़ आने से न केवल कई बीघा खेती उजड़ी, बल्कि कई परिवार भी उजड़ गए। इस मौसम ने उन्हें ऐसी अप्रिय यादें दी हैं, जिन्हें भुलाना आसान नहीं होगा। आज हमारा देश वैज्ञानिक दृष्टि से अत्यंत शक्तिशाली है। सरकार को चाहिए कि वह पहाड़ी इलाकों में उन जगहों का पता लगाए, जिन पर बाढ़ का खतरा मंडरा सकता है। एआई और उपग्रहों की मदद से पिछले सौ वर्षों के आंकड़े जुटाकर पानी के बहाव वाले इलाकों का अध्ययन किया जाए और लोगों को वहां से अन्य इलाकों में बसाया जाए। हाल में एक ऐसी 'बसावट' की तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी, जो पहाड़ी इलाके में ढलान पर स्थित है। उसके आस-पास पहाड़ों की ऊंची चोटियां हैं। अगर वहां कभी तेज बारिश हुई तो पानी का शक्तिशाली बहाव उन मकानों को नुकसान पहुंचा सकता है। पहाड़ों में मकान बनाते समय इस बात का खास ध्यान रखना चाहिए। पानी के बहाव क्षेत्र में अतिक्रमण बिल्कुल नहीं होना चाहिए। इसके नतीजे बहुत खतरनाक हो सकते हैं। पहाड़ों पर पर्यटन को सीमित रखना बेहतर होगा। खासकर बरसात के मौसम में उन इलाकों में जाने पर पाबंदी होनी चाहिए, जहां बाढ़ और भूस्खलन की आशंका हो।

प्रधानमंत्री ने 'प्रतिभा सेतु' डिजिटल प्लेटफॉर्म के बारे में जानकारी देकर देश के युवाओं को उम्मीद की नई किरण दिखाई है। हर साल सिविल सेवा परीक्षा में लाखों युवा भाग लेते हैं। चूंकि पद सीमित होते हैं, इसलिए ज्यादातर का चयन नहीं होता। वर्षों की मेहनत के बाद जब परीक्षा में सफलता नहीं मिलती तो युवा खुद को हताश और निराश महसूस करते हैं। ऐसे में उनके पास एक विकल्प होना जरूरी है, जो उनके भविष्य को आकार दे सके। प्रधानमंत्री के ये शब्द 'प्रतिभा सेतु' के महत्त्व को उजागर करते हैं, 'हजारों ऐसे उम्मीदवार भी होते हैं, जो बेहद काबिल होते हैं, उनकी मेहनत भी किसी से कम नहीं होती, पर मामूली अंतर से वो अंतिम सूची तक नहीं पहुंच पाते। इन उम्मीदवारों को दूसरी परीक्षाओं के लिए नए सिरे से तैयारी करनी पड़ती है। इसमें उनका समय और पैसा दोनों खर्च होता था ... ऐसे सभी उम्मीदवारों की जानकारी अब 'प्रतिभा सेतु' पोर्टल पर उपलब्ध कराई जा रही है। इस पोर्टल से प्राइवेट कंपनियां इन होनहार विद्यार्थियों की जानकारी लेकर उन्हें अपने यहां नियुक्ति दे सकती हैं। इस प्रयास के नतीजे भी आने लगे हैं। सैकड़ों उम्मीदवारों को इस पोर्टल की मदद से तुरंत नौकरी मिली है और वो युवा जो मामूली अंतर से रुक गए थे, अब नए आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहे हैं।' इससे देश के लाखों युवाओं को एक ऐसी राह मिलेगी, जिसके माध्यम से वे जीवन में प्रगति के पथ पर आगे बढ़ते जाएंगे। उनकी प्रतिभा का सदुपयोग होगा। पहले, जब यह व्यवस्था नहीं थी तो ऐसे युवाओं के सामने अपने भविष्य को लेकर गंभीर चिंताएं होती थीं। कई तो अवसाद और तनाव के शिकार हो जाते थे। उनमें इतनी ऊर्जा नहीं होती थी कि नए सिरे से शुरुआत की जाए। उनके लिए 'प्रतिभा सेतु' असल में उज्ज्वल भविष्य का सेतु साबित होगा। इसका विस्तार अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं तक किया जाना चाहिए।

ट्वीटर टॉक

आज जैसलमेर के तनोट में स्थित शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि कर मां भारती के वीर सपूतों को श्रद्धांजलि अर्पित कर नमन किया । यह पवित्र भूमि उन रणबांकुरों की वीरगाथाओं की साक्षी है, जिन्होंने देश की सीमाओं की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी।

-दीया कुमारी

अमेरिकी टैरिफ के विभिन्न उत्पादों और क्षेत्रों पर पड़ने वाले असर से सभी चिंतित हैं। निर्यात में गिरावट की आशंका के कारण जयपुर, जोधपुर सहित पूरे राजस्थान के हैंडीक्राफ्ट निर्यातक भी परेशान हैं। इसका सीधा असर प्रदेश की अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा।

-अशोक गहलोत

जैसलमेर दुर्ग के संरक्षण व रखरखाव को लेकर ए.एस.आई. अधिकारियों से विस्तृत चर्चा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए तथा मीडिया साथियों से संवाद किया। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष दलपत जी हिंगड़ा, कंवरराज सिंह, तारेंद्र सिंह की उपस्थिति विशेष रही।

गजेन्द्रसिंह राठौड़

प्रेरक प्रसंग

शिशु रक्षा की क्रांति

उन्नीसवीं सदी के अंत और बीसवीं सदी की शुरुआत से पहले, समय से पहले जन्मे शिशुओं (प्रीमैच्योर बेबी) का जीवित रह पाना लगभग असंभव माना जाता था। इन्हीं दिनों, एक व्यक्ति ने एक पोल्ट्री फार्म पर यह देखा कि अंडों को एक गर्म बॉक्स में रखकर कृत्रिम रूप से सेया जा रहा है। यह देखकर उसके मन में विचार आया कि यदि अंडों को गर्मी और सुरक्षित वातावरण देकर जीवित रखा जा सकता है, तो फिर समय से पहले जन्मे शिशुओं के लिए भी इसी प्रकार की व्यवस्था क्यों नहीं की जा सकती। इस व्यक्ति ने प्रसिद्ध प्रसूति रोग विशेषज्ञ पियरे बुडिन के साथ कार्य किया था। इसके बाद उन्होंने समयपूर्व जन्मे शिशुओं को बचाने के लिए इनक्यूबेटर का प्रयोग शुरू किया। उन्होंने प्रदर्शनी लगाकर इनक्यूबेटर में शिशुओं को रखा और उनकी देखरेख के लिए प्रशिक्षित नर्सों की नियुक्ति की। कुछ लोगों ने इस प्रयास का मजाक भी उड़ाया, लेकिन उन्होंने आलोचनाओं की परवाह नहीं की। कई माताएं, जिनके शिशु समय से पहले जन्मे थे, उन्हें बचाने की आशा में सहर्ष उन्हें सौंप देती थीं। उनकी अथक मेहनत और वैज्ञानिक सोच के कारण वे लगभग सात हजार प्रीमैच्योर शिशुओं को बचाने में सफल रहे।

सामयिक

महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए भगीरथ प्रयास क्यों नहीं ?

संजीव ठाकुर
मोबाइल : 9009415415

भारत में महिलाओं की मुक्ति तथा सशक्तिकरण का प्रश्न स्वतंत्रता एवं भारत की मुक्ति के साथ अनिवार्य रूप से प्रासंगिक हो गया है। स्वतंत्र काल से जुड़ी हुई महिला सशक्तिकरण की यात्रा आज तक अनवरत जारी है। आज भी महिलाएं सामाजिक राजनीतिक आर्थिक एवं सांस्कृतिक सभी मोर्चों और सवालों पर पुरुषों के समकक्ष संघर्ष करती नजर आ रही है। आज राष्ट्र निर्माण में नारी अपनी भूमिका से न केवल परिचित है बल्कि उसकी गंभीर जिम्मेदारी का निर्वहन करने के लिए भी तत्पर व सक्षम है। वर्तमान में भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। भारत विकास की दर आज बड़ी से बड़ी वैश्विक शक्ति से टक्कर लेने की जद पर है। विकास की गाथा में देश की आधी आबादी यानी महिलाओं की भूमिका बढ़ती जा रही है। अनेक सामाजिक आर्थिक विसंगतियों के बावजूद आज हर मोर्चे पर महिलाएं पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी होती दिखाई दे रही है। यह आत्मविश्वास उन्हें सदियों के संघर्ष के बाद हासिल हुआ है, प्राचीन काल में अपाला तथा गोसा जैसी विदुषी महिलाओं ने अपनी कीर्ति पताका फैलाई थी, भारतीय समाज में उन्हें सम्मान और बराबरी का दर्जा दिया गया है, परंतु मध्यकाल में भारत अपनी संकुचित एवं संकट दृष्टि का शिकार हो गया। महिलाओं को घर की चारदीवारी में कैद होना पड़ा था। इसी के साथ कैद हो गई थी उनकी संपूर्ण योग्यता, ऊर्जा, शक्ति, आकांक्षाएं और व्यक्तित्व विकास की संभावनाएं।

भारत एवं भारत के बाहर विदेशों में भारतीय मूल की ऐसे सैकड़ों महिलाएं हैं जिन्होंने भारत देश का नाम रोशन किया है उनके नाम की सूची बड़ी लंबी है उनका उल्लेख न करते हुए समग्र रूप से उनका नमन करते हुए यह बताना चाहूंगा कि महिलाएं निरंतर उच्च पदों पर आसीन हो रही है इन सब के साथ सबसे पुराने बजट तथा घर के अर्थशास्त्र को संभालने की भूमिका का भी कुशलतापूर्वक सदियों से प्रबंधन करती आ रही है। इसके साथ ही वे अपनी शैक्षणिक योग्यता में निरंतर सुधार कर रही है जनसंख्या गणना के आंकड़े भी इसकी पुष्टि करते हैं, महिलाएं जहां शिक्षा, प्रशासन,मेडिकल क्षेत्र, इंजीनियरिंग, स्पेस रिसर्च, विज्ञान टेक्नोलॉजी और उद्यानिकी, एग्रीकल्चर, सेरीकल्चर और तमाम क्षेत्रों में असाधारण रूप से शिक्षा प्राप्त कर प्रगति कर रही और उच्च पदस्थ होकर कार्यों का कुशलता से संपादन कर रही हैं।

सामाजिक कुरीतियों के विरोध में समाज को आगाह करने और उसका विरोध करने में भी महिलाएं पीछे नहीं है, फिर चाहे वह शनि सिंगनापुर हाजी अली दरगाह या तीन तलाक के मामले में इनकी सजगता ने सामाजिक परिवर्तन लाया है। सरकार भी इनकी इस भूमिका को स्वीकार करते हुए थल जल और वायु सेना में युद्धक की भूमिका में इनकी नियुक्ति कर रही है। हम यदि राजनीतिक क्षेत्र की चर्चा करें तो पंचायती स्तरों पर महिला प्रधानों ने गंभीर परिवर्तन के प्रयास किए, किंतु हमें यहां हमेशा स्मरण रखना चाहिए की देश के आर्थिक विकास में अभी भी महिलाओं को वह भागीदारी व सम्मान नहीं मिल पा रहा है जिसके लिए वह पूर्णरूपेण हकदार है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन ने अपनी एक रिपोर्ट में बताया की श्रम बल भागीदारी में महिलाओं की भागीदारी 25 प्रतिशत से भी कम हो गई है। महिलाओं को अनेक सामाजिक आर्थिक सांस्कृतिक एवं मनोवैज्ञानिक चुनौतियों का भी सामना करना पड़ रहा है।

अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन की रिपोर्ट के अनुसार महिलाओं को समान पदों पर कार्यरत पुरुषों की तुलना में कम वेतन दिया जाता है तथा अधिकांश शीर्ष पदों पर पुरुषों का कब्जा है के अलावा दुनिया की सबसे कम तनखा वाली नौकरियों में 60 प्रतिशत महिलाएं ही हैं। महिलाओं द्वारा अनेक चुनौतियों का सामना करते हुए पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाते हुए कार्यस्थल पर कार्य करते हुए देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इन परिस्थितियों में महिलाओं द्वारा दिए गए सामाजिक आर्थिक विकास के योगदान को पहचानते हुए सरकार ने मातृत्व लाभ अधिनियम 2016 तथा यौन उत्पीड़न अधिनियम 2013 के माध्यम से अनुकूल वातावरण तथा महिलाओं को मातृत्व अवकाश देने के कई अच्छे प्रावधान भी उपलब्ध कराए हैं। इंटरनेशनल मॉनिटरी फंड अपने आंकड़ों से स्पष्ट करता है की किस प्रकार महिलाओं की श्रमबल में अधिक भागीदारी जीडीपी में अप्रत्याशित वृद्धि करता है।

पूरा विश्व इस बात से सहमत है की महिलाएं कोमल है पर कमजोर नहीं एवं शक्ति का नाम ही नारी है। हिंदुस्तान के विकास में सही मायने में यदि 50 प्रतिशत भागीदारी महिलाओं की हो तो असाधारण क्षमता की धनी महिलाएं इस देश को विश्व के अन्य विकसित देशों में खड़ा कर सकती हैं, जरूरत इनकी शक्ति क्षमता एवं योग्यता को पहचानने की है। 21वीं सदी में विश्व शक्ति रूप भारत के सामाजिक आर्थिक एवं राजनीतिक विकास में महिलाओं का सर्वांगीण विकास को आधार बनाकर आर्थिक महाशक्ति के स्वप्न को साकार किया जा सकता है।

नजरिया

"पौराणिक कथा के अनुसार, राधा रानी का जन्म बरसाना में वृषभानु और कीर्तिदा के घर हुआ था। उन्हें भगवान श्रीकृष्ण की दिव्य शक्ति माना जाता है। मान्यता है कि जो भक्त राधा रानी को प्रसन्न कर लेते हैं, भगवान श्री कृष्ण स्वयं उनसे प्रसन्न हो जाते हैं। राधा हमें सिखाती हैं कि प्रेम आत्मा की अनुभूति है, जो परमात्मा से जोड़ता है। वे प्रेम की उस ज्योति की प्रतीक हैं, जो न केवल श्रीकृष्ण को आलोकित करती है, बल्कि सम्पूर्ण मानवता के लिए पथप्रदर्शक बनती है। इसलिए आज के समय में राधा की प्रासंगिकता और भी गहरी हो जाती है।

प्रेम, भक्ति एवं शक्ति की अनंत ज्योति हैं राधाजी

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

भाद्रपद शुक्ल पक्ष की अष्टमी का दिन भारतीय संस्कृति में प्रेम, भक्ति, शक्ति और समर्पण का अनोखा पर्व लेकर आता है-यह है राधाष्टमी। इसे राधा रानी का जन्मोत्सव माना जाता है। यह केवल किसी भक्ति की शिखर नारी चरित्र के जन्मोत्सव का पर्व नहीं, बल्कि उस दिव्य शक्ति की अभ्यर्थना है जिसने स्वयं श्रीकृष्ण के जीवन को एक अनूठी ऊंचाई दी। इस दिन भक्त राधा और श्रीकृष्ण की पूजा करते हैं, व्रत रखते हैं और उनकी कृपा से सुख-समृद्धि व सौभाग्य की प्राप्ति की कामना करते हैं। ब्रजभूमि, खासकर बरसाना में इसे बड़े धूमधाम से मनाया जाता है। राधाजी प्रेम, भक्ति और श्रीकृष्ण के भीतर छिपी शक्ति का प्रतीक हैं; वह प्रेम की पराकाष्ठा, भक्ति की देवी और श्रीकृष्ण की आंतरिक शक्ति के रूप में पूजी जाती हैं। उनका दिव्य प्रेम आध्यात्मिक प्रेम की एक मिसाल है। यदि श्रीकृष्ण लीला, माधुर्य और करुणा के अवतार हैं, तो राधा उस लीला का रस, उस माधुर्य की गहराई और उस करुणा की आत्मा हैं। इसीलिए भारतीय भक्ति परंपरा में कहा गया-राधे बिनु नहीं कृष्ण, कृष्ण बिनु नहीं राधे।

राधा भारतीय संस्कृति में केवल एक स्त्री का नाम नहीं हैं, वे प्रेम की पराकाष्ठा और भक्ति की सर्वोच्च अभिव्यक्ति हैं। उनका प्रेम सांसारिक या देहाधारित नहीं, बल्कि आत्मा और परमात्मा का मिलन है। यह प्रेम स्वार्थ और अधिकार से परे है, यह प्रेम केवल समर्पण और तादात्म्य का है। राधा का जीवन त्याग और अनुराग का अद्भुत समन्वय है। उन्होंने कभी अपने लिए कुछ नहीं चाहा, उनका हर भाव, हर श्वास केवल श्रीकृष्ण में रमा रहा। यही कारण है कि भक्त कवियों ने 'राधा को भक्ति-रस की मूर्ति' और प्रेम की अधिष्ठात्री देवी' कहा।

सूरदास ने लिखा-'प्रेम भया मनु भाव समाना, राधा तन मन कृष्ण बखाना।' अर्थात, प्रेम ऐसा हो कि हृदय और आत्मा में केवल श्रीकृष्ण का ही वास हो जाए। निश्चित ही राधा और श्रीकृष्ण का संबंध, आत्मा और परमात्मा का अद्भुत एवं विलक्षण संवाद है। सामान्य दृष्टि से देखने पर राधा और श्रीकृष्ण का संबंध केवल प्रेमिका-प्रेमी का प्रतीत हो सकता है, लेकिन इसका वास्तविक अर्थ बहुत गहन है। यह संबंध सांसारिक नहीं, बल्कि आध्यात्मिक है। यह आत्मा और परमात्मा का शाश्वत संवाद इसलिये है कि इसमें किसी प्रकार का मोह, स्वार्थ या वासना नहीं है।

राधा श्रीकृष्ण के व्यक्तित्व को पूर्णता प्रदान करती हैं। श्रीकृष्ण लीला के केंद्र हैं, परंतु वह लीला राधा के बिना अधूरी है। इसीलिए भक्त परंपरा में श्रीकृष्ण का नाम लेने से पहले राधा का नाम लिया जाता है, राधे-कृष्ण, श्यामा-श्याम। यह क्रम अपने आप में गहरा दार्शनिक संदेश देता है कि परमात्मा तक पहुँचने का मार्ग राधा जैसे प्रेम और भक्ति से होकर जाता है। राधा केवल श्रीकृष्ण की प्रेयसी नहीं, बल्कि उनकी शक्ति और प्रेरणा हैं। गीता में श्रीकृष्ण ने प्रकृति के दो रूप बताए हैं-अपरा और परा। राधा को परा प्रकृति' का स्वरूप माना जाता है, जो जीवन को आध्यात्मिकता की ओर ले जाती है। वे श्रीकृष्ण की लीलाओं की आत्मा हैं, उनकी आराधना का आधार हैं। राधा के प्रेम में कोई अधिकार नहीं, केवल समर्पण है। उनका संदेश है कि सच्चा प्रेम पाने में नहीं, बल्कि देने में है। यही देने की भावना जीवन को ऊँचाई देती है। यह प्रेम केवल मनुष्य और मनुष्य के बीच संबंधों में ही नहीं, बल्कि मनुष्य और ईश्वर के संबंध में भी उतना ही प्रासंगिक है।

राधा की भक्ति को सर्वोच्च माना गया है। उनका प्रेम निष्काम है, केवल श्रीकृष्णमय है। उन्होंने अपने अस्तित्व को ही श्रीकृष्ण में विलीन कर दिया। यही कारण है कि चैतन्य महाप्रभु ने राधा की भक्ति को अपनाया और उसी रस में डूबकर कहा-मैं राधा की भक्ति में श्रीकृष्ण को देखता हूँ और श्रीकृष्ण की भक्ति में राधा को।' सूरदास, रसखान, विद्यापति, मीराबाई-सभी भक्त कवियों ने राधा के माध्यम से ही प्रेम और भक्ति के गहनतम स्वरूप का चित्रण किया। मीराबाई ने जब कहा-मेरे तो गिरधर गोपाल, दूसरो न कोई-तो उसमें राधा का ही भाव प्रतिध्वनित होता है। आज के समय में जब संबंधों में स्वार्थ, गणना और तात्कालिकता का समावेश बढ़ता जा रहा है, तब राधा का चरित्र हमारे लिए नई रोशनी देता है। सच्चा प्रेम वही है जिसमें समर्पण, विश्वास और त्याग हो। समकालीन जीवन में जहां परिवार और समाज टूटते जा रहे हैं, वहां राधा का संदेश और भी महत्वपूर्ण हो उठता है। उनका जीवन बताता है कि जब तक हम संबंधों को केवल लाभ-हानि की दृष्टि से देखते रहेंगे, तब तक उनमें स्थायित्व नहीं आएगा। स्थायित्व तभी आएगा जब उनमें राधा जैसा समर्पण होगा।

भक्ति के स्तर पर भी राधा हमें प्रेरणा देती हैं। आज धर्म अक्सर कर्मकांड और बाहरी आडंबर तक सीमित होता जा रहा है। राधा हमें सिखाती हैं कि भक्ति हृदय की गहराई में होती है, जहां भक्त और भगवान का भेद मिट जाता है। जब हम राधा की तरह निष्काम होकर ईश्वर में समर्पित हो जाते हैं, तब जीवन की हर कठिनाई तुच्छ लगने लगती है और एक अद्भुत शांति प्राप्त होती है। राधा का जीवन हमें यह स्मरण कराता है कि मनुष्य का परम उद्देश्य केवल भौतिक सुख या उपलब्धि नहीं, बल्कि आत्मा और परमात्मा का मिलन है। वे हमें बताती हैं कि भक्ति केवल पूजा-पाठ नहीं, बल्कि हृदय की गहराई से ईश्वर के साथ तादात्म्य स्थापित करना है। आज जब मानवता संघर्ष, तनाव और अकेलेपन से गुजर रही है, राधा हमें सिखाती हैं कि सच्चा समाधान प्रेम और समर्पण में है। यदि हम राधा के जीवन से प्रेरणा लें, तो हमारे व्यक्तिगत संबंध, सामाजिक ताना-बाना और आध्यात्मिक जीवन सब में नई ऊर्जा और शांति का संचार हो सकता है।

शास्त्रों में श्री राधा श्रीकृष्ण की शाश्वत शक्तिस्वरूपा एवम प्राणों की अधिष्ठात्री देवी के रूप में वर्णित हैं अतः राधाजी की पूजा के बिना श्रीकृष्ण की पूजा अधूरी मानी गयी है। श्रीमद देवी भागवत में श्री नारायण ने नारदजी के प्रति 'श्री राधायै स्वाहा' षडाक्षर मंत्र की अति प्राचीन परंपरा तथा विलक्षण महिमा के वर्णन प्रसंग में श्री राधा पूजा की अनिवार्यता का निरूपण करते हुए कहा है कि श्री राधा की पूजा न की जाए तो मनुष्य श्रीकृष्ण की पूजा का अधिकार नहीं रखता। स्वयं भोलेनाथ ऋषि नारदजी के पूछने पर कहते हैं कि मैं तो श्रीराधा के रूप, लावण्य और गुण आदि का वर्णन करने मे अपने को असमर्थ पाता हूं। उनके रूप आदि की महिमा कहने में भी लज्जित हो रहा हूं। तीनों लोकों में कोई भी ऐसा समर्थ नहीं है जो उनके रूपादि का वर्णन करके पार पा सके। उनकी रूपमाधुरी जगत को मोहने वाले श्रीकृष्ण को भी मोहित करने वाली है। यदि अनंत मुख से चाहूं तो भी उनका वर्णन करने की मुझमें क्षमता नहीं है।''

शास्त्रों के अनुसार, राधा के बिना कृष्ण की पूजा भी अधूरी मानी जाती है, इसलिए राधा अष्टमी का महत्व बहुत अधिक है। इस दिन व्रत और पूजा करने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और भक्तों को धन, ऐश्वर्य और सुख मिलता है। विवाहित महिलाएं अखंड सौभाग्य और संतान सुख के लिए राधा अष्टमी का व्रत रखती हैं। राधाअष्टमी का पर्व केवल एक जन्मोत्सव नहीं, बल्कि यह हमें यह याद दिलाता है कि सच्चा प्रेम और भक्ति किसे कहते हैं।

पौराणिक कथा के अनुसार, राधा रानी का जन्म बरसाना में वृषभानु और कीर्तिदा के घर हुआ था। उन्हें भगवान श्रीकृष्ण की दिव्य शक्ति माना जाता है। मान्यता है कि जो भक्त राधा रानी को प्रसन्न कर लेते हैं, भगवान श्री कृष्ण स्वयं उनसे प्रसन्न हो जाते हैं। राधा हमें सिखाती हैं कि प्रेम आत्मा की अनुभूति है, जो परमात्मा से जोड़ता है। वे प्रेम की उस ज्योति की प्रतीक हैं, जो न केवल श्रीकृष्ण को आलोकित करती है, बल्कि सम्पूर्ण मानवता के लिए पथप्रदर्शक बनती है। इसलिए आज के समय में राधा की प्रासंगिकता और भी गहरी हो जाती है। वे हमें जीवन का वह मार्ग दिखाती हैं, जिसमें स्वार्थ नहीं, केवल समर्पण है; जिसमें वासना नहीं, केवल आत्मा और परमात्मा का मिलन है। यही राधा का सच्चा संदेश है और यही राधाष्टमी का वास्तविक महत्व है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता ।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

टेलीविजन शो 'पवित्र रिश्ता' की अभिनेत्री प्रिया मराठे का निधन

मुंबई/भाषा। 'पवित्र रिश्ता' और 'कसम से' जैसे हिंदी और मराठी टेलीविजन धारावाहिकों से लोकप्रियता हासिल करने वाली अभिनेत्री प्रिया मराठे का रविवार को निधन हो गया। प्रिया लंबे समय से कैंसर से जूझ रही थीं।

प्रिया करीब दो साल से अधिक समय से कैंसर से जूझ रही थीं और 38 वर्ष की आयु में मुंबई के मीरा रोड स्थित अपने आवास पर उन्होंने अंतिम सांस ली।

प्रिया के चचेरे भाई सुबोध भावे ने उनकी मौत की पुष्टि करते हुए सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट में लिखा, एक बेहतरीन अभिनेत्री, कुछ धारावाहिकों और फिल्मों में मेरी सह-कलाकार। लेकिन मेरे लिए, उनके साथ रिश्ता ज़्यादा महत्वपूर्ण था। प्रिया, मेरी चचेरी बहन। इस क्षेत्र में आने के बाद उन्होंने जो कड़ी मेहनत की, काम के प्रति उनका विश्वास बहुत सराहनीय था।

प्रिया ने 2011 के मराठी शो 'चार दिवस सासुचे' से अपने करियर की शुरूआत करते हुए दो दशकों तक मनोरंजन उद्योग में काम किया।

प्रिया आखिरी बार 2023 के नाटक 'तुजेच मि गीत गात आहे' में नजर आई थीं। उनकी शादी अभिनेता शांतनु मोघे से हुई थी।

मोदी ने 'मन की बात' कार्यक्रम के दौरान स्वदेशी उत्पादों के गौरवपूर्वक इस्तेमाल की अपील की

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आगामी त्योहारी सीजन के मद्देनजर रविवार को देशवासियों से स्वदेशी उत्पादों का गौरवपूर्वक इस्तेमाल करने की अपील की। उन्होंने स्थानीय उत्पादों के खुलकर इस्तेमाल (वोकल फॉर लोकल) के मंत्र पर जोर देते हुए कहा कि ''आत्मनिर्भर भारत'' का मार्ग विकसित भारत बनाने में मददगार साबित होगा। उन्होंने 'मन की बात' कार्यक्रम में कहा कि जीवन की हर जरूरत में सबकुछ स्वदेशी होना चाहिए।

मोदी अमेरिका की ओर से भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाए जाने के बाद देश के आत्मनिर्भर बनने की आवश्यकता पर लगातार जोर दे रहे हैं।

देश के विभिन्न भागों में गणेश उत्सव, दुर्गा पूजा और दीपावली उत्सव के आगमन के अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि लोगों को त्योहारों के दौरान उपहार, कपड़े, सजावट की वस्तुएं या अन्य कोई चीज खरीदते समय स्वदेशी उत्पादों को नहीं भूलना चाहिए। उन्होंने कहा, गर्व से कहो यह स्वदेशी है, गर्व से कहो यह स्वदेशी है, गर्व से कहो यह स्वदेशी है। हमें इसी भावना के साथ आगे बढ़ना है। एक ही मंत्र है 'वोकल फॉर लोकल, एक ही रास्ता है आत्मनिर्भर भारत, एक ही लक्ष्य है विकसित भारत। मोदी ने कहा कि रामायण और भारतीय संस्कृति के प्रति प्रेम अब दुनिया के हर कोने तक पहुंच रहा है। उन्होंने बताया कि इस महीने की शुरूआत में कनाडा के मिसिसागा में भगवान राम की 51 फुट ऊंची प्रतिमा का अनावरण किया गया। उन्होंने बताया कि इसी महीने रूस के बेहद ठंडे इलाके व्लादिवोस्तोक में एक अनोखी प्रदर्शनी आयोजित की गई, जिसमें रूसी बच्चों ने रामायण के विभिन्न विषयों पर बनाए गए चित्र प्रदर्शित किए। उन्होंने कहा, दुनिया के विभिन्न हिस्सों में भारतीय संस्कृति के प्रति बढ़ती जागरूकता देखकर वाकई बहुत खुशी होती है। प्रधानमंत्री ने बरसात के मौसम में प्राकृतिक आपदाओं के कहर पर भी चिंता व्यक्त की। मोदी ने कहा, इस मानसून में, प्राकृतिक आपदाएं देश की परीक्षा ले रही हैं। उन्होंने कहा, कहीं मकान तहस-नहस हो गए, कहीं खेत जलमग्न हो गए, बड़ी संख्या में परिवार बर्बाद हो गए। कहीं पुल पानी के तेज बहाव में बह गए, सड़कें बह गईं, लोगों का जीवन खतरे में पड़ गया। इन घटनाओं ने हर भारतीय को दुखी किया है।

प्रधानमंत्री ने बचाव अभियान के दौरान राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) और सुरक्षाबलों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा, जहां भी संकट आया, एनडीआरएफ-एसडीआरएफ के हमारे जवानों और अन्य सुरक्षाबलों ने लोगों को बचाने के लिए दिन-रात काम किया। जवानों ने प्रौद्योगिकी की भी मदद ली। थर्मल कैमरे, लाइफ डिटेक्टर, खोजी कुत्तों और ड्रोन निगरानी की मदद से राहत कार्यों में तेजी लाने की कोशिश की गई।

मोदी ने कहा, इस दौरान, हेलीकॉप्टर से राहत सामग्री पहुंचाई गई और घायलों को हवाई मार्ग से एक स्थान से दूसरे स्थान पर पहुंचाया गया। आपदा के समय सशस्त्र बल मदद के लिए आगे आए। स्थानीय निवासियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, चिकित्सकों, प्रशासन सभी ने संकट की इस घड़ी में हरसंभव प्रयास किया। मैं उन सभी देशवासियों का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं जिन्होंने इस कठिन समय में मानवता को प्राथमिकता दी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि बाढ़ और बारिश से हुई तबाही के बीच जम्मू कश्मीर ने दो बेहद खास उपलब्धियां भी हासिल की हैं। उन्होंने कहा, इन पर ज्यादा लोगों का ध्यान नहीं गया। लेकिन आपको इन उपलब्धियों के बारे में जानकर खुशी होगी। पुलवामा के एक स्टेडियम में रिकॉर्ड संख्या में लोग इकट्ठा हुए। पुलवामा का पहला दिन-रात्रि क्रिकेट मैच यहां खेला गया। पहले यह नामुमकिन था, लेकिन अब मेरा देश बदल रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा, दूसरा आयोजन, जिसने ध्यान आकृष्ट किया, वह था श्रीनगर की डल झील में आयोजित देश का पहला 'खेलो इंडिया वाटर स्पोर्ट्स फेस्टिवल'। सचमुच, इस तरह के उत्सव के आयोजन के लिए यह कितनी खास जगह है।

मोदी ने कहा कि इसमें पूरे भारत से 800 से अधिक एथलीट ने हिस्सा लिया। प्रधानमंत्री कहा, महिला एथलीट भी पीछे नहीं रहीं; उनकी भागीदारी लगभग पुरुषों के बराबर थी। मैं सभी प्रतिभागियों को बधाई देता हूं।

स्वर्ण पदक जीतने वाले जम्मू-कश्मीर के मोहसिन अली से बात करते हुए उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र के युवा देश का नाम रोशन कर सकते हैं क्योंकि उनमें अपार क्षमता है।

बांग्लादेश को धर्मनिरपेक्ष आदर्शों, धार्मिक भेदभाव में से एक को चुनना होगा : बांग्लादेशी सांसद

नई दिल्ली/भाषा। बांग्लादेशी सांसद पंकज नाथ ने रविवार को कहा कि बांग्लादेश ''अब चौराहे पर खड़ा है'' और देश को यह तय करना होगा कि क्या वह अपने धर्मनिरपेक्ष आदर्शों पर लौटना चाहता है या उस रास्ते पर चलना जारी रखना चाहता है, जिससे ''धर्म के आधार पर भेदभाव और सांस्कृतिक विलुप्ति'' का खतरा है।

बांग्लादेश में ''हिंदू संकट'' पर 'ह्यूमन राइट्स डिफेंस इंटरनेशनल' (एचआरडीआई) की ओर से आयोजित एक 'वेब कॉन्फ्रेंस' में नाथ ने अपने देश की स्थिति को चिंताजनक बताया।

नाथ ने कहा, पिछले एक साल के दौरान, अत्याचारों की भयावहता वास्तव में भयावह है। उन्होंने दावा किया कि अगस्त 2024 से हत्या, बलात्कार, भूमि हड़पने तथा हिंदू घरों, व्यवसायों और मंदिरों पर हमलों की 3,000 से अधिक घटनाएं हुई हैं।

नाथ ने कहा कि बांग्लादेश अब एक चौराहे पर खड़ा है। उन्होंने कहा, वह धर्मनिरपेक्ष दुनिया के उन आदर्शों की ओर लौटना चुन सकता है, जिन पर उसकी स्थापना हुई थी, या वह उस रास्ते पर चल सकता है, जिसने पहले ही अन्य देशों को धर्म के आधार पर भेदभाव और सांस्कृतिक विलुप्ति की ओर धकेल दिया है।

नाथ ने बीएनपी-जमात कार्यकर्ताओं और कट्टरपंथी समूहों पर ''सरकारी संरक्षण की आड़ में'' हिंसा की साजिश रचने का आरोप लगाया, जबकि कानून प्रवर्तन एजेंसियां ''चुप'' रहीं। उन्होंने कहा कि दशकों से चले आ रहे भेदभाव ने हिंदू समुदाय को राजनीतिक रूप से अदृश्य बना दिया है।

नाथ ने कहा, एक महत्वपूर्ण अल्पसंख्यक आबादी के बावजूद, संसद और सरकारी निकायों में हिंदू प्रतिनिधियों का अनुपात कम रहा है। उन्होंने कहा कि हिंदुओं के खिलाफ दंगे भड़काने के लिए मनगढ़ंत ऑनलाइन सामग्री का इस्तेमाल बढ़ रहा है।

नाथ ने विशेष अल्पसंख्यक सुरक्षा अधिनियम, अल्पसंख्यक आयोग और हिंदुओं के लिए आरक्षित संसदीय सीटों सहित तत्काल संस्थागत सुधारों का आह्वान किया। उन्होंने कहा, सभी सरकारी क्षेत्रों में भर्ती और सशक्तीकरण सुनिश्चित करके, हम अल्पसंख्यकों को वास्तव में सशक्त बना सकते हैं।

नाथ ने कहा, आज सवाल यह नहीं है कि क्या बांग्लादेश में अल्पसंख्यक खतरे में हैं। वे स्पष्ट रूप से खतरे में हैं। मुद्दा यह नहीं है कि क्या बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों का सफाया होगा, बल्कि यह है कि कितनी तेजी से होगा।

अन्य वक्ताओं ने भी समान चिंताएं व्यक्त कीं।

एचआरडीआई के महासचिव राजेश गोगना ने स्थिति को ''मानवाधिकार आपातकाल'' बताते हुए कहा कि हिंसा की हर लहर के बाद पलायन हुआ है। उन्होंने कहा, जब हिंदू मंदिरों को जलाया गया और तोड़फोड़ की गई, तो पुलिसकर्मी मूकदर्शक बने रहे थे। यह प्रशासनिक चुप्पी मिलीभगत है।

ढाका विश्वविद्यालय के पूर्व कुलसचिव प्रोबीर सरकार ने देश के शैक्षणिक संस्थानों में ''संस्थागत भेदभाव'' को रेखांकित किया।

अभिनेता जैकी श्रॉफ ने दिया हर रविवार साइकिल चलाने का संदेश

मुंबई/एजेन्सी

फिट इंडिया मूवमेंट के तहत देशभर में हर रविवार 'संडे ऑन साइकिल' का आयोजन किया और लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनने का संदेश दिया जाता है। मुंबई में आयोजित 'संडे ऑन साइकिल' कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य खेल मंत्री रक्षा खडसे और अभिनेता जैकी श्रॉफ मौजूद थे। फिल्म अभिनेता जैकी श्रॉफ ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए 'फिट इंडिया' अभियान से सभी बच्चों को जुड़ना चाहिए। जब तक हमारे पैर में दम है, हमारा कदम आगे बढ़ सकता है। बच्चों को फोन, लैपटॉप सब चलाना चाहिए, लेकिन अपने शरीर के लिए उन्हें फिट इंडिया अभियान से जुड़ना होगा। उन्होंने कहा कि बच्चे अगर मजबूत होंगे तो हमारा राष्ट्र मजबूत होगा। हम सभी बच्चों को प्रेरित करने के लिए ही यहां आए हैं। युवाओं को कसरत, साइकिलिंग, योगा करना चाहिए। जान है तो जहान है। हर रविवार को साइकिलिंग करना चाहिए। यह हमारे शरीर के लिए बहुत जरूरी है।

रक्षा खडसे ने कहा, मनसुख मांडविया के विजन के साथ पिछले एक साल से देशभर के अलग-अलग हिस्सों में 'संडे ऑन साइकिल' कार्यक्रम आयोजित होता है। रविवार को मैंने इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया। यह अभियान लोगों में फिटनेस के प्रति जागरूकता फैलाने का एक सशक्त माध्यम बन चुका है। साइकिल चलाने से न सिर्फ स्वास्थ्य को फायदा होगा, बल्कि इससे पॉल्युशन की समस्या और ट्रैफिक की परेशानी से काफी हद तक बचा जा सकता है। तीन दिवसीय राष्ट्रीय खेल महोत्सव के अंतिम दिन रविवार को केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया ने राजधानी दिल्ली में 'फिट इंडिया: संडे ऑन साइकिल' कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस अवसर पर उन्होंने कहा, साइकिल चलाना हमें अपनी मिट्टी से जोड़ता है और 'आत्मनिर्भर भारत' का संदेश देता है। सबसे बढ़कर, हमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'फिट इंडिया' मूवमेंट का पालन करने के लिए साइकिल चलाना जारी रखना चाहिए।

रंगोली

मलयाली समुदाय की महिलाएँ रविवार को नई दिल्ली के केरल हाउस में वार्षिक फसल उत्सव ओणम के उपलक्ष्य में पारंपरिक फूलों की रंगोली बनाती हुई।

यह अच्छा है कि दुनिया सिकुड़ रही है : एआर रहमान

मुंबई/भाषा

ऑस्कर पुरस्कार से सम्मानित संगीतकार ए आर रहमान ने कहा कि संगीत में समाज को आकार देने की शक्ति है तथा आज लोग ''अच्छे संगीत और कविता के लिए लालायित'' हैं। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' को दिए एक साक्षात्कार में कहा, ''दुनिया अब पहले जैसी सांस्कृतिक रूप से संरक्षित नहीं रही, अब यह कहीं अधिक खुली हो गई है। उदाहरण के तौर पर, हम तुर्की वाद्ययंत्रों पर भारतीय सुर बजा सकते हैं, और लोग अलग-अलग तरह की ध्वनियों का आनंद लेते हैं।''

हाल ही में, 58 वर्षीय संगीतकार ने सोशल मीडिया का उपयोग करके तुर्किये के संगीतकार, पुणे के एक ढोल वादक और लखनऊ के एक शास्त्रीय गायक से संपर्क किया। उन्होंने कहा, ''मैं हर तरह का संगीत सुनता हूं। कभी-कभी मैं रेडियो पर, आईट्यून्स पर, स्पॉटिफ़ाई पर या रील्स पर सुनता हूं और किसी कलाकार को खोज लेता हूं। मैं उन्हें मैसेज करता हूं और वे जवाब देते हैं। यह अच्छा है -- दुनिया सिकुड़ रही है।'' रहमान ने कहा कि जब भी उन्हें अपने किसी गाने का रीमेक देखने को मिलता है, तो वह हमेशा उत्साहित हो जाते हैं। उन्होंने कहा, ''मैं जनता हूं। मैं सबसे पहले एक श्रोता हूं। मैं हमेशा देखता हूं कि मुझे क्या उत्साहित करता है और लोगों को क्या उत्साहित करेगा। जब तक लोग मुझे नजरअंदाज नहीं करते, मुझे इससे कोई परेशानी नहीं है । तीन दशक से संगीत उद्योग में सक्रिय रहमान ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण संगीत की चाहत है और फिल्म संगीत की सराहना देखकर वे रोमांचित हैं।

''संगीत हमेशा एक अच्छी चीज़ होती है, और यह समाज को प्रभावित करता है। जब बुरा संगीत आता है, तो लोग भी बुरे बन जाते हैं। अच्छे बोल और अच्छी धुनें समाज को प्रेरित करती हैं। हम अराजकता में जी रहे हैं, और इस अराजकता को संगीत के ज़रिए और नहीं बढ़ाया जाना चाहिए; इसके विपरीत, संगीत को इन घटनाओं का इलाज बनना चाहिए।

कंगना रनौत और प्रियंका चोपड़ा के वकील रिजवान सिद्दीकी, रोज़लिन खान से हारे

मुंबई/एजेन्सी

रिजवान सिद्दीकी, जिन्होंने कंगना रनौत को ऋतिक रोशन के साथ हुए विवाद में कंगना को,और अलग क़ानूनी मामले में प्रियंका चोपड़ा को भी रिप्रेजेंट किया था, अब एक लंबे चले केस के बाद अनुशासनात्मक कार्रवाई का सामना कर रहे हैं। 2018 में, सिद्दीकी को ठाणे क्राइम ब्रांच ने एक प्राइवेट जासूस के जरिए कथित तौर पर कॉल डेटा रिकॉर्ड (उञ्छ) निकालने के आरोप में गिरफ्तार किया था, जिसमें नवाजुद्दीन सिद्दीकी की पत्नी का नाम भी शामिल था।

हालांकि उन्हें मुंबई की अदालत ने छोड़ दिया था, लेकिन अधिकारियों ने उनके खिलाफ सबूत होने की बात कही थी। अब, अभिनेत्री और कैंसर सर्वाइवर रोज़लिन खान उर्फ ङ्कङ्करेहाना खान द्वारा शुरू की गई लगभग एक दशक लंबी लड़ाई के बाद, बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने पेशेवर दुराचार के आधार पर सिद्दीकी का वकालत करने का लाइसेंस दो साल के लिए निलंबित कर दिया है। यह मामला, जो मूल रूप से महाराष्ट्र में लंबित था, अंतिम निर्णय के लिए राष्ट्रीय न्याय संस्था को स्थानांतरित कर दिया गया था।

फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए, रोज़लिन खान ने कहा, यह राहत सालों के उत्पीड़न, कलंक और शक्तिशाली लॉबी के दबाव के बाद मिली है। न्याय मांगने के लिए मुझे 'विवादास्पद' करार दिया गया। अपराध को हल करने के बजाय, सिस्टम ने मेरे चरित्र को ही बदनाम करने की कोशिश की। यह फैसला सिर्फ मेरी जीत नहीं है, बल्कि यह महाराष्ट्र में गहराई तक फैली हुई अन्याय को उजागर करता है और हर उस महिला को आवाज़ देता है जिसे शक्ति और हेरफेर से चुप कराया गया है।

उन्होंने आगे कहा, मेरे 11 साल के दर्द की तुलना में दो साल का निलंबन पर्याप्त नहीं है। मैं व्यक्तिगत रूप से इस लड़ाई को सुप्रीम कोर्ट तक ले जाऊंगी – यह तो बस शुरुआत है।

मैं उन लोगों के लिए एक करारा तमाचा हूं जिन्होंने हेरफेर से मुझे हराने की कोशिश की। उन्होंने मुझे एक आपराधिक केस हरवा दिया, लेकिन बिना लॉ की डिग्री के मैंने एक वकील की डिग्री छीन ली है। अब, मैं इस लॉबी के खिलाफ कई लड़ाई जीतने के लिए यहां हूं। रोज़लिन खान ने बार काउंसिल ऑफ इंडिया के सामने अपना केस खुद पेश (लड़ा) किया और जीत लिया।

प्रदर्शन

हनुमान सेवा, गौ रक्षा दल धर्म रक्षक, बेजुबानो का सहारा और प्रोटेक्टर ऑफ वॉयस लेस एनजीओ के कार्यकर्ताओं ने रविवार को नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने और कुत्तों व अन्य पशु अधिकारों की रक्षा की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया।

सव्यसाची मुखर्जी को एकबारगी पहचान नहीं पायी थी : जीनत अमान

नई दिल्ली/भाषा

दिग्गज अभिनेत्री जीनत अमान ने अपने एक अनुभव को सोशल मीडिया पर साझा करते हुए कहा कि वह एक बार प्रसिद्ध डिजाइनर सव्यसाची मुखर्जी को नहीं पहचान पायी थीं। सव्यसाची बॉलीवुड की हस्तियों की पहली पसंद माने जाते हैं। इस साल की शुरुआत में उन्होंने मेट गाला में शाहरुख खान के डेब्यू के लिए भी डिजाइन किया था। मेट गाला फैशन डिजाइनिंग का एक प्रख्यात अंतरराष्ट्रीय आयोजन है। जीनत ने शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच 'इंस्टाग्राम' पर डिजाइनर मुखर्जी द्वारा डिजाइन की गई लाल टॉप पहने हुए अपनी तस्वीरें शेयर कीं। 73 वर्षीय अदाकारा ने 2022 में हुई इस घटना के बारे में बताते हुए एक लंबा कैप्शन लिखा।

अपनी पोस्ट में उन्होंने बताया कि उनके बेटे और संगीतकार जहान खान के जन्मदिन के अवसर पर उन्हें उसी लिफ्ट का उपयोग करना पड़ा, जिसमें डिजाइनर भी थे। डिजाइनर ने भी दिग्गज अभिनेत्री की प्रशंसा की। पोस्ट की शुरुआत में लिखा था, जैसे ही हम (अभिनेत्री और कारा) लिफ्ट की तरफ मुड़े हमने देखा कि उसके दरवाजे बंद होने लगे हैं। तभी एक सुंदर सा हाथ बाहर निकला और दरवाजे हमारे लिए आसानी से खुल गए। लिफ्ट के डिब्बे में दो सज्जन थे, दोनों ने ही शानदार हेयरस्टाइल और ड्रेस पहनी हुई थी। एक दाढ़ी वाला भारतीय व्यक्ति था और मुझे लगता है कि दूसरा काकेशियन नस्ल का था। अंदर जाते ही मैंने मुस्कुराकर धन्यवाद कहा और उनके हाव-भाव देखकर लगा कि उन्होंने मुझे पहचान लिया है। उन्होंने लिखा, कारा ने लॉबी का बटन दबाया और दाढ़ी वाला आदमी बोला, मैडम, मैं आपका बहुत बड़ा प्रशंसक हूं, आपसे मिलकर मुझे बहुत खुशी हुई। मैं बस इतना कहना चाहता हूं कि आपने मुझे बचपन से ही प्रेरित किया है। मैंने उनके उदार शब्दों के लिए उनका धन्यवाद किया और उन्होंने मुझे बताया कि वे एक डिजाइनर हैं।

अभिनत्री ने याद किया कि उन्होंने डिजाइनर का नाम पूछा था और इसका पता चलने के बाद उसने माफी मांगी थी। उन्होंने कहा, जैसे ही लिफ्ट रुकी, मैंने उनसे पूछा: 'आपका नाम क्या है?' उन्होंने विनम्रतापूर्वक मुस्कुराते हुए कहा, सव्यसाची और विनम्रता से मेरा हाथ पकड़ लिया क्योंकि मैं उन्हें न पहचान पाने के कारण हैरान थी। दोनों चले गए जिसके बाद कारा और मैंने एक-दूसरे को देखा, फिर मेरी गलती पर जोर से हंस पड़े।

RNI No. 58061/93. Regn No.: NP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.

माहेश्वरी सभा की 50वीं वार्षिक साधारण सभा एवं सत्र 2025-27 की नई कार्यसमिति का गठन किया गया जिसमें सर्व सम्मति से भगवानदास लाहोटी को अध्यक्ष एवं सत्यनारायण मालानी को सचिव चुना गया।

मंदिर और मूर्तियां हैं सभ्यता के प्राचीन आविष्कार : विमलसागरसूरीश्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गदग। आचार्य विमलसागरसूरीश्वर ने कहा कि मंदिर और मूर्तियां मानवीय सभ्यता के खोजे हुए बहुत पुराने आविष्कार हैं। इनसे मनुष्य की धार्मिक-आध्यात्मिक साधना को बहुत बल मिला है। ये निराकार परमात्मा की साधना का साकार स्वरूप है। भारतीय हिन्दू, जैन और बौद्ध परंपरा में मंदिरों और मूर्तियों के लिए लोगों का इतना योगदान रहा है कि उनके लिए ग्रंथ के ग्रंथ लिखे जा सकते हैं। वैसे मूर्तिपूजा मनुष्य जाति के लिए एक ठोस, सार्थक, तार्किक आलंबन हैं। मनुष्य की धर्मश्रद्धा इनसे परिपुष्ट बनती हैं। अमूर्तिपूजक भी चाहे मूर्तिपूजा न करते हों, पर भगवान की मूर्तियों के बजाय वे अपने आराध्यों के प्रतीकों, चिन्हों, समाधियों, स्मृतिस्थलों, मीनारों, ग्रंथों आदि को बहुत पूज्यभाव से मानते हैं। एक प्रकार से यह मूर्तिपूजा ही है। आततायियों के आक्रमणों के दौर में भी मंदिरों और मूर्तियों ने ही भारतीय संस्कृति और उसकी इन तीनों धर्म परंपराओं को जिंदा रखा।ङ्गराजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में रविवार को चार मंदिरों की परिक्रमा के रूप में पूजायात्रा का विशाल आयोजन हुआ। चैत्यपरिपाटी की इस धर्मसभा को संबोधित करते हुए जैनाचार्य ने कहा कि माध्यमों के बिना मनुष्य का मन भटक जाता है। जैनशास्त्रों में मंदिरों, मूर्तियों, यंत्रों, तीर्थस्थलों को धर्म-आध्यात्म के विशिष्ट आलंबन की संज्ञा दी गयी है। जनसामान्य का धार्मिक-आध्यात्मिक विकास माध्यमों के आधार पर ही संभव होता है। यह भारतीय संस्कृति और मूर्तिपूजक परंपरा का गौरव है कि आज देश-विदेश में हजारों वर्ष प्राचीन मंदिरों और मूर्तियों की ऐतिहासिक विरासत मौजूद है, जो लाखों-करोड़ों लोगों को भक्ति से भावित करती हैं।

मूर्तिपूजा की ये परंपराएं ही पृथ्वी पर मौजूद सबसे प्राचीन धर्म मान्यताएं हैं। मंदिर किसी का कुछ नहीं बिगाड़ते। मंदिरों से तो मनुष्य को सुधरने की प्रेरणा मिलती है।ङ्गसंघ के अध्यक्ष पंकज बाफना ने बताया कि पूजा के वस्त्र परिधान में विविध पूजन सामग्री के साथ तीन-तीन की कतारों में एक हजार से अधिक उपासक इस कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। महावीर सोसाइटी, वासुपूज्य दादावाड़ी, कच्छी दशा ओसवाल मंदिर और संघ जिनालय की परिक्रमा करते हुए श्रद्धालुओं ने मंत्रोच्चार पूर्वक जलाभिषेक, चंदन पूजा, पुष्पांजलि, चैत्यवंदना आदि विधि-विधान किए।

रथयात्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के प्राचीनतम चिकपेट सिटी क्षेत्र में तीनों संघ श्री आदिनाथ जैन श्वेताम्बर संघ चिकपेट; श्री अजितनाथ जैन श्वेताम्बर संघ नगरथपेट; श्री वासुपूज्य जैन श्वेताम्बर संघ अक्कीपेट द्वारा पर्युषण महापर्व पर सामूहिक रथयात्रा निकाली गई। श्री विवेकविजयजी म.सा., श्री आर्यशेखरविजयजी म.सा., श्री भुवनभूषणविजयजी म.सा. आदि संतों की निश्रा में रविवार को सुबह आदिनाथ मंदिर चिकपेट से इन्द्रध्वज, परमात्मा के रथ व सकल श्री संघ के साथ शोभयात्रा प्रारंभ होकर बीवी के अय्यंगार रोड, हॉस्पिटल रोड, एवेन्यू रोड होते हुए पुनः चिकपेट मंदिरजी में आगमन के पश्चात सोहन हॉल में धर्म सभा में परिवर्तित हुई।

बंध कर्मों की निर्जरा के लिए पुरुषार्थ जरूरी : संतश्री ज्ञानमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने कहा कि मनुष्य के जीवन में चार बातें बहुत ही दुर्लभ होती हैं। जब भाग्य का उदय होता है तभी मिलती हैं। पहली बात यह है कि मानवता मिलना बहुत ही मुश्किल है। दूसरा धर्म का श्रवण और भगवान की वाणी मिलना भी मुश्किल है। सुनाने वाले मिल जाएं तो सुनने वाले नहीं मिलते हैं। इसलिए यह बहुत ही मुश्किल है। सुनने वाले के साथ सुनाने वाले भी बहुत ही मुश्किल से मिलते हैं। तीसरी बात श्रद्धा और विश्वास होना बहुत जरूरी है। लोग सुनते हैं लेकिन उस पर श्रद्धा होती है या नहीं यह बताना बहुत ही मुश्किल है। मनुष्य दस जगह कुआं खोदे तो पानी नहीं मिलता है, लेकिन एक जगह अगर श्रद्धा से लग जाए तो पानी जरूर मिल जाएगा। चौथी बात पुरुषार्थ करना बहुत मुश्किल है। लोग कहते हैं पर पुरुषार्थ की बात आती है तो वह नहीं कर पाते हैं। आखें, कान और नाक सभी की एक जैसी होती

हैं लेकिन चतुर की बात अलग होती है। जिन्होंने गुरुभगवतों से ज्ञान पाया है वह संत एक जगह भी रहें तो भी कोई परेशानी नहीं। उनसे ज्ञान लेने की कोशिश करते रहना चाहिए। जैसे गहरे कुएं का पानी हमेशा निर्मल होता है, वैसे ही गुरुभगवंतों से ज्ञान पाने वाला साधु ज्ञान रखता है। इसलिए कहते हैं कि चतुर मनुष्य और मूर्ख की सोच में अंतर होता है। सभी एक समान दिखते हैं, लेकिन मनुष्यों में अंतर होता है। कौआ और कोयल एक ही रंग के होते हैं, लेकिन कौआ कड़वा और कोयल रस के साथ बोलती है। आकृति, रंग और विचार भले ही एक हों पर गुण मिलना बहुत मुश्किल है। इसलिए कहते हैं कि भाग्य भी एक जैसा नहीं होता है। कर्मों के हिसाब से मनुष्य का भाग्य होता है। जैसा जिसका भाग्य होगा वैसा ही उसे फल मिलेगा। इसलिए मनुष्य को बिना मतलब की चिंता करने के बजाय कर्मों की निर्जरा करने पर विश्वास रखना चाहिए। इस अवसर पर दोड्डबल्लापुर संघ से उपाध्यक्ष सुरेशकुमार गादिया, राकेशकुमार पुंगलिया, केशरीमल लुकड़, नेमीचंद हरण एवं अन्य पदाधिकारी, सदस्यगण एवं महिलाएं उपस्थित थे। महामंत्री मनोहरलाल लुकड़ ने संचालन किया।

उत्तर कर्नाटक टीपीएफ की टीम का हुआ शपथ ग्रहण

हुब्बल्ली/दक्षिण भारत। यहां तेरापंथ भवन में मुनिश्री विनीतकुमारजी और मुनिश्री पुनीतकुमारजी के सान्निध्य में तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम (टीपीएफ) के दक्षिण भारत के अध्यक्ष विक्रम कोठारी की अध्यक्षता में उत्तर कर्नाटक टीपीएफ की टीम को शपथ दिलाई गई। विक्रम कोठारी ने उत्तर कर्नाटक टीपीएफ के अध्यक्ष अंकित खिंवेसरा को अध्यक्ष के रूप में और उनकी पूरी टीम को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस मौके पर उत्तर कर्नाटक के पूर्व अध्यक्ष विनोद वेदमूथा ने सभी का स्वागत किया। दक्षिण भारत के मंत्री भरत भंसाली , अंकित खीवेसरा,

राजेंद्र जीरावाला, हुब्बल्ली सभा अध्यक्ष परसमल भंसाली, विशाल बोहरा ने अपने विचार व्यक्त किए। इस मौके पर 35 छात्रों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में कोप्पल बल्लारी, गुलबर्गा,रायचूर, सिंधनूर, हावेरी, गदग हिरियूर, हुब्बल्ली आदि जगहों से श्रावक समाज उपस्थित थे । मंत्री विशाल कटारिया ने आभार व्यक्त किया।

जैन युवा संगठन के सदस्यों ने संतों के दर्शन किए

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। जैन युवा संगठन के सदस्यों ने गांधीनगर क्षेत्र में विराजमान संत डॉ. पुलकित कुमारजी, श्री पंकज मुनिजी एवं श्री भद्रबाहुविजयजी के दर्शन कर मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया।

डॉ. पुलकित कुमारजी ने शिक्षा एवं चिकित्सा क्षेत्र में समाज को आत्मनिर्भर बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने समाज से आग्रह किया कि शिक्षा एवं चिकित्सा के क्षेत्र में साधार्मिक श्रावकों के लिए जैन हॉस्टल और हॉस्पिटल की स्थापना में अग्रसर हों। श्री पंकज मुनिजी ने युवाओं को धर्म, अध्यात्म और नैतिक जीवन मूल्यों को आत्मसात करने का संदेश देते हुए कहा कि युवा पीढ़ी ही समाज का आधार स्तंभ है। उन्होंने कहा कि भौतिक सफलता के साथ जीवन मूल्यों का पोषण ही सच्ची संतुष्टि और आनंद प्रदान करता है। श्री भद्रबाहुविजयजी ने युवाओं से आह्वान किया कि वे अहिंसा, सत्य, अचौर्य, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह जैसे जैन धर्म के सिद्धांतों को व्यवहारिक जीवन में अपनाएँ।ङ्गङ्गइस मौके पर संगठन के अध्यक्ष मुकेश सुराणा ने कहा कि जैन युवा संगठन द्वारा समय-समय पर धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है, जिसका उद्देश्य युवाओं में सकारात्मक सोच और सेवा भावना का विकास करना है।

संगठन के मंत्री सुश्रुत चेलावत ने संगठन की गतिविधियों और उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। सह मंत्री दीपेश धोखा, कोषाध्यक्ष विनय गांधी ने भी संगठन की गतिविधियों से संबंधित विचार व्यक्त किए। इस मौके पर संगठन के निवर्तमान अध्यक्ष महावीर मुणोत सहित ङ्गअनेक समाजबंधु उपस्थित थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

आमंत्रण

जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन (जीतो) बेंगलूरु नॉर्थ चैप्टर, जीतो एपेक्स-महिला विंग एवं जीतो-केकेजी ज़ोन के संयुक्त तत्वावधान में आगामी 5, 6 और 7 सितम्बर 2025 को बेंगलूरु के पैलेस ग्राउन्ड के त्रिपुरा वासिनी सभागार में 'जीतो जेवर एक्सो, दि ब्राइडल स्टोरी' का आयोजन होने जा रहा है। जीतो के एक प्रतिनिधिमंडल ने कर्नाटक के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री दिनेश गुंडूराव से भेंट कर उन्हें कार्यक्रम में आमंत्रित किया। आमंत्रण प्रक्रिया में जीतो बेंगलूरु नॉर्थ चैप्टर के अध्यक्ष विमल कटारिया, महामंत्री विजय सिंघवी, सचिव प्रितेश, जैन संयोजक सुरेश गन्ना, सहसंयोजक संजीव गन्ना, प्रबंधक समिति के सदस्य राकेश पोखरना, प्रवीण गन्ना, प्रमोद भंडारी एवं अन्य पदाधिकारियों ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया।

दो आध्यात्मिक धाराओं का मिलन

हुब्बल्ली/दक्षिण भारत। यहां 31 अगस्त को तेरापंथ भवन में आचार्यश्री महाश्रमण जी के शिष्य विनीत कुमार जी ने कहा कि जैन समाज में अनेक चारित्र आत्माएं अपनी साधना के साथ-साथ श्रद्धालुओं को भी आध्यात्मिक जीवन जीने की कला सिखा रही हैं। जैन धर्म आपस में मिलजुल कर रहने की शिक्षा देता है। इस मौके पर जैन श्वेतांबर खरतरगच्छ संघ दादाबाड़ी हुब्बल्ली में चातुर्मासरत साध्वीश्री चंपाश्रीजी म.सा. आदि साध्वियों ने तेरापंथ भवन में पहुंचकर मुनिश्री विनीत कुमारजी और मुनिश्री पुनीत कुमारजी से क्षमायाचना की।

साध्वीश्री ने संपूर्ण जैन समाज को आपस में एकजुट रहकर कार्य करने की प्रेरणा दी।

मुख्यमंत्री स्टालिन जर्मनी पहुंचे, निवेश आकर्षित करने के लिए यूरोप का दौरा शुरू किया

चेन्नई। निवेश साझेदारी को मजबूत करना और वैश्विक तमिल प्रवासियों के साथ जुड़ने के प्रयास के तहत तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन अपनी आठ दिवसीय यूरोप यात्रा की शुरुआत में 30 अगस्त को जर्मनी पहुंचे। तमिलनाडु सरकार की तरफ से रविवार को यह जानकारी दी गयी। मुख्यमंत्री एक सितंबर को डसेलडोर्फ में उच्चस्तरीय निवेश सम्मेलन का नेतृत्व करेंगे, जहां वह वैश्विक निवेशकों और औद्योगिक नेताओं के साथ सीधे बातचीत करेंगे। सरकार ने एक आधिकारिक विज्ञप्ति में बताया कि कई महत्वपूर्ण निवेश घोषणाएं और समझौता ज्ञापन (एमओयू) होने की उम्मीद है और वह तमिलनाडु में निवेश एवं परिचालन का विस्तार करने के इच्छुक प्रमुख निवेशकों के साथ बैठकें भी करेंगे। अपने आगमन पर तमिल प्रवासियों द्वारा किए गए स्वागत से अभिभूत स्टालिन ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''हेलो डॉयचेलैंड।

विसर्जित

हरिद्वार में रविवार को गणेश चतुर्थी उत्सव के पाँचवें दिन एक परिवार भगवान गणेश की मूर्ति को गंगा नदी में विसर्जित करने के लिए ले जाता हुआ।

माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष बने लाहोटी और मालानी बने सचिव

साधारण सभा में नई कार्यसमिति का गठन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भगवानदास लाहोटी एवं सत्यनारायण मालानी

बेंगलूरु। माहेश्वरी सभा की 50वीं वार्षिक साधारण सभा एवं सत्र 2025-27 की नई कार्यसमिति का गठन किया गया जिसमें सर्व सम्मति से भगवानदास लाहोटी को अध्यक्ष एवं सत्यनारायण मालानी को सचिव चुना गया। माहेश्वरी सभा के समस्त पदाधिकारी व अध्यक्ष नवलकिशोर मालू, माहेश्वरी महिला संघटन की अध्यक्ष श्वेता बियानी, माहेश्वरी युवा संघ के अध्यक्ष दीपक मंत्री, माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट के चेयरमैन गोपालदास इन्नाणी, माहेश्वरी फाउंडेशन के चेयरमैन प्रहलाद आगीवाल तथा माहेश्वरी सौहार्द क्रेडिट को-ऑपरेटिव लिमिटेड के अध्यक्ष लक्ष्मीनारायण डागा ने इस अवसर पर भगवान महेश का पूजन व दीप प्रज्वलन किया।ङ्गभगवान महेश की वंदना से शुरू हुई बैठक में सहसचिव राजेश मारू ने सभा का आरंभ किया।

दिवगंत सदस्यों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की गई। अध्यक्ष नवलकिशोर मालू ने सभी का स्वागत करते हुए अपने सफल कार्यकाल का श्रेय अपनी टीम को देते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। सचिव अजय राठी ने पिछली वार्षिक साधारण सभा 2023-24 की कार्यवाही प्रस्तुत की। वर्ष 2024-25 के प्रतिवेदन की प्रस्तुति सदन में रखी। कोषाध्यक्ष राजगोपाल मर्दा ने वर्ष 2024-25 के आय व्यय की प्रस्तुति दी, जिसे सदन ने पारित किया। वर्ष 2013 के बाद इस वर्ष नई सभा सदस्य निर्देशिका का विमोचन किया गया जिसकी जानकारी सचिव अजय राठी ने प्रस्तुत की। संगठन मंत्री सत्यनारायण मालानी ने बताया कि सभा के कार्यों को सुचारू रूप से चलाने हेतु शहर में बढ़ते विस्तार और ट्रैफिक समस्या को ध्यान में रखते हुए 6 जोन का निर्माण किया गया था जो सभा के अंतर्गत अलग-अलग एरिया में कार्यरत थे, लेकिन डायरी के लिए डाटा इकट्ठा करते समय और कुछ सदस्यों के सुझाव अनुसार बहुत बारीकी से देखकर 6 की जगह पिन कोड के अनुसार 5 जोन बना दिए गए हैं।

सभा से जुड़ी अन्य संस्थाओं ने भी इस अवसर पर अपने प्रतिवेदन प्रस्तुत किए। सचिव निर्मला कांकाणी ने माहेश्वरी महिला संघठन की, कुशल जाजू ने माहेश्वरी युवा संघ, मैनेजिंग ट्रस्टी भगवान बलदवा ने माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट, ट्रस्टी कृष्णाकुमार मोहता ने माहेश्वरी फाउंडेशन तथा उपाध्यक्ष महेश रांदड़ ने माहेश्वरी सौहार्द क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

वर्ष 2025-26 हेतु मानद अंकेक्षक प्रकाश चंद एंड कम्पनी को नियुक्त किया गया।ङ्गआगामी वर्ष 2025-2027 के लिए नई कार्यकारिणी एवं चुनावी कार्यवाही के लिए चुनाव समिति सदस्य विक्रम राठी एवं प्रदीप तोतला को सदन में सम्मानित किया गया। सहसचिव राजेश मारू ने कार्यक्रम का संचालन किया तथा धन्यवाद ज्ञापित किया।

कार्यसमिति के गठन के लिए एक बैठक का रखी गई जिसमें पदाधिकारियों का सर्वसम्मति से चयन किया गया। माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष के लिए भगवानदास लाहोटी, उपाध्यक्ष राजगोपाल मर्दा, सचिव सत्यनारायण मालानी, कोषाध्यक्ष के रूप में राजेश मारू, संगठन मंत्री विनीत कुमार बियानी, सहसचिव रविकांत राठी तथा सहकोषाध्यक्ष के रूप में राजीव सामरिया को पद पर चयनित किया गया।

कार्यसमिति सदस्यों में भगवानदास जाजू, संजय साबु, मुकेश चितलांगिया, अशोककुमार भूतड़ा, राजेश झंवर, संजीव झंवर, सुन्दर सोमानी, संदीप गांधी, अमित रांडद, मनमोहन बाहेती, धीरज काबरा एवं मनोनीत सदस्य विजय बंग तथा निवर्तमान अध्यक्ष नवल किशोर मालू शामिल हैं।

तपस्वियों का सम्मान

मैसूरु/दक्षिण भारत। स्थानकवासी जैन युवा संगठन द्वारा एक विशेष सम्मान समारोह का आयोजन रविवार को प्रवचन के उपरांत किया गया। इस अवसर पर संगठन के उन तपस्वियों का अभिनंदन किया गया जिन्होंने 8 अथवा उससे अधिक दिनों की कठिन तपस्या सम्पन्न की। समारोह का प्रारंभ मंगलाचरण एवं नवकार महामंत्र के साथ हुआ। संगठन के पदाधिकारियों ने तपस्वियों का परिचय देते हुए उनके तप की महत्ता पर प्रकाश डाला। सभी तपस्वियों को शाल एवं जैन वली प्रदान कर सम्मानित किया गया। तपस्वियों में संस्थापक अध्यक्ष बुधमल बाघमार, पूर्व अध्यक्ष राजन बाघमार, सिद्धांत खिवसरा, सिद्धार्थ दरला, अविनाश नंदावत आदि शामिल हैं। वक्ताओं ने इस मौके पर कहा कि तप, त्याग और संयम का मार्ग है, जो आत्मा को शुद्ध करता है और समाज के लिए प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत करता है। कार्यक्रम का समापन मंत्री राजेंद्र देसरला द्वारा आभार प्रदर्शन के साथ हुआ।

मायुम बेंगलूरु ने बांटे 1000 स्कूली बैग

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। मारवाड़ी युवा मंच (मायुम) ने शिक्षा सबके लिए अभियान के अंतर्गत कुल 2100 स्कूल बैग दो चरण में वितरित किए। दूसरा चरण 30 अगस्त को जवगल क्षेत्र में हुआ जहां लगभग 1000 बैग बांटे गए वहीं पहले चरण में 23 अगस्त को अरसीकेरे क्षेत्र के सरकारी विद्यालयों में 1100 बैग बांटे गए थे। इस सेवा कार्य के लिए टीम ने बेंगलूरु से लगभग 200 किमी दूर जाकर बच्चों तक बैग पहुँचाए। बच्चों ने बैग पाकर खुशी व्यक्त की और स्कूल जाने का नया उत्साह महसूस किया।

इस कार्यक्रम के संयोजक पूर्व अध्यक्ष अंकित मोदी, पूर्व अध्यक्ष स्नेहकुमार जाजू, पुनीत राठी और आशु मित्तल थे, जिन्होंने इस पूरे अभियान को योजनाबद्ध तरीके से सम्पन्न कराया।

एवन प्लास्ट ग्रुप के सुनील बजाज के सहयोग से हजारों बच्चों को स्कूली बैग उपलब्ध कराए गए जिनका मंच की ओर से आभार व्यक्त किया गया।

भगवान सूर्य को चढाया चांदी का छत्र

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। यहां जेपीनगर स्थित प्रसिद्ध सूर्य मंदिर में शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज के प्रमुख आराध्य भगवान सूर्य नारायण की प्रतिमा पर समाज प्रमुख सुनील शर्मा की अगुवाई में बैंड बाजों व जयघोष के साथ लगभग सात किलो चांदी का छत्र चढ़ाया गया। रविवार को पंडित श्रेयांश पांडे द्वारा मंत्रोच्चारों के साथ पूजा-अर्चना कर यजमान सुनील शर्मा एवं उनकी धर्मपत्नी संतोष शर्मा ने शुभ मुहूर्त में को करीब सात किलो चांदी का छत्र चढ़ाया। जिसमें समाज के बंधुओं ने भी बढ़चढ़कर श्रद्धाभाव से चांदी का दान किया। इस मौके पर जे. बाबूलाल शर्मा, महेंद्र शर्मा, जयंतीलाल शर्मा, किशनलाल, राजेश शर्मा, चेतन शर्मा, वीरेंद्र शर्मा, बी.एल. शर्मा सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com